लखनऊ

मंगलवार, 30 सितम्बर, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 81

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

कितना अजिब हैं.....दुनिया का दस्तूर, लोग इतनी जल्दी बात नहीं मानते, जितनी जल्दी बुरा मान जाते है

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 27° Low

संक्षेप

भाजपा की नीतियों से नौजवानों की उम्मीदें हो रही खत्म : राज बब्बर

लखनऊ। राज बब्बर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भाजपा की नीतियों से नौजवानों की सारी उम्मीदें खत्म हो गई हैं। जहां इनकी सरकार है, वहां युवा सड़कों पर हैं। ये लोग जो भी वादे करते हैं, उसे पूरा नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि जहां भी भाजपा की सरकार है, उन राज्यों में नौजवानों का बुरा हाल है और वे सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। सरकार इन लोगों को सुन नहीं रही है, जिसकी वजह से युवाओं को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। वोट चोरी पर बब्बर ने कहा कि आप लोगों ने भी देखा है कि कई जगहों पर वोट चोरी के सबूत भी मिले हैं। सबूत देखने के बाद कोई भी वोट चोरी की बात को नकार नहीं सकता है। वोट चोरी कई तरीकों से की जा रही है। कांग्रेस पार्टी में चल रही गुटबाजी को लेकर पूछे गए सवाल पर राज बब्बर ने कहा कि लोकतंत्र में गुटबाजी पार्टियों को मजबूत करती है। उन्होंने याद दिलाया कि जब से कांग्रेस पार्टी बनी है, तब से ही गुट हैं। पहले इन्हें नरम दल और गरम दल के नाम से जाना जाता था। उन्होंने कहा कि यह गुटबाजी कांग्रेस को मजबूती प्रदान करेगी। हालांकि उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रीय नेतृत्व और उनके फैसलों की बात आती है तो कोई गुटबाजी नहीं होती। इंडियन नेशनल लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव अभय सिंह चौटाला के बयान पर राज बब्बर ने कहा कि हर पार्टी के हर नेता को बोलने का अधिकार है, लेकिन यह जनता तय करेगी कौन सत्ता में और कौन बाहर रहेगा। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। बिहार विधानसभा चुनाव पर राज बब्बर ने कहा कि भाजपा की सरकार नहीं बनने वाली है। जनता उनकी सच्चाई जान चुकी है। युवा सड़कों पर आ रहे हैं, इससे बेकार दिन और क्या आएंगे?

नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार, सांताक्रूज पुलिस की बड़ी कार्रवाई

मुंबई। मुंबई की सांताक्रूज पुलिस ने 10वीं कक्षा की छात्रा के साथ छेड़छाड़ के मामले में फरार आरोपी को 10 दिन बाद धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 20 वर्षीय पप्पू जगिल नायक के रूप में हुई। वह मूल रूप से ओडिशा के गंजम जिले का रहने वाला है और विले पार्ले में मजदूरी का काम करता था। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, घटना 16 सितंबर की रात लगभग 9 :20 बजे हुई थी। पीड़िता, जो 10वीं कक्षा की छात्रा है, घरेलू सामान खरीदकर घर लौट रही थी। उसी दौरान एक अज्ञात युवक अचानक उसके पीछे से आया, उसकी आंखों को हाथ से ढक दिया और उसे गलत तरीके से छूकर वहां से भाग गया। इस वारदात से घबराई लड़की ने घर पहुंचकर तुरंत अपनी मां को पूरी जानकारी दी। इसके बाद पीड़िता के परिवार ने नजदीकी पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की। जांच के दौरान पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संदिग्ध की गतिविधियों पर नजर रखी। साथ ही स्थानीय मुखबिरों की मदद से आरोपी के ठिकानों पर लगातार निगरानी रखी गई।

उत्तर प्रदेश ने छोड़ी बीमारू पहचान, बना देश का विकास इंजन, योगी ने बताया बदलाव का मंत्र

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'विकसित उत्तर प्रदेश-2047' विषय पर सभी महापौरों के साथ वर्चुअल संवाद के दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश भारत के विकास इंजनों में से एक बन गया है और अब इसे 'बीमारू' राज्य नहीं कहा जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले, खराब सड़कों और सुरक्षा की कमी के कारण निवेशक राज्य से दूर रहते थे, लेकिन आज राज्य में राजमार्गों का एक नेटवर्क और हर जिले से मजबूत कनेक्टिविटी है, जो निवेश को आकर्षित कर रही है।

'विकसित यूपी-2047' के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आपने सभी महापौरों से सुना है कि कैसे उन्होंने अपने-अपने नगर निगमों की आय बढ़ाई है। इससे आगे भी संभावनाएं हैं। आठ साल पहले, यूपी की जीडीपी 12 लाख 75,000 करोड़ रुपये थी, और हम इसे इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 36 लाख करोड़ रुपये तक ले जाने की योजना बना रहे हैं। 2017 से पहले कोई भी यूपी में निवेश करने नहीं आता था क्योंकि यहां अच्छी सड़कें नहीं थीं और राज्य में सुरक्षित माहौल का अभाव था। आज, हमारे पास राजमार्गों का नेटवर्क है, अन्य राज्यों के साथ अच्छी कनेक्टिविटी है और हर जिला मुख्यालय तक दो या चार लेन की राजमार्ग कनेक्टिविटी सुनिश्चित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक ज़िला एक उत्पाद कार्यक्रम के तहत दो करोड़ से ज़्यादा रोज़गार सृजित हुए हैं और अब तक 8.5 लाख सरकारी नौकरियाँ प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में वाराणसी से हल्दिया तक देश का पहला अंतर्देशीय जलमार्ग संपर्क है... एक ऐसा राज्य जिसे निवेश नहीं मिलता था, आज 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त कर रहा है... एक ज़िला एक उत्पाद कार्यक्रम के कारण 2 करोड़ से ज़्यादा लोगों को रोज़गार मिला है... अब तक, हमने राज्य में 8.5 लाख सरकारी नौकरियाँ दी हैं... राज्य वही है, लेकिन विकास की इच्छाशक्ति ने बदलाव ला दिया है... आज अयोध्या और काशी, मथुरा और वृंदावन बदल गए हैं... आज उत्तर प्रदेश को कोई 'बीमारू' राज्य नहीं कह सकता, बल्कि यह भारत के विकास इंजनों में से एक है।

मुख्यमंत्री योगी ने मां की भावुक अपील सुन अधिकारियों को दिए निर्देश, तत्काल कैंसर उपचार की करवाई व्यवस्था

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को अपने 'जनता दर्शन' के दौरान उस समय भावुक हो गए जब कानपुर की एक बुजुर्ग महिला ने अपने कैंसर पीड़ित बेटे के लिए मदद की गुहार लगाई। महिला ने मुख्यमंत्री को बताया कि उसका परिवार इतना गरीब है कि इलाज का खर्च नहीं उठा सकता और उसके पास आयुष्मान कार्ड भी नहीं है। मुख्यमंत्री योगी ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए अधिकारियों को मरीज को सरकारी एम्बुलेंस से लखनऊ स्थित कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान भेजने का निर्देश दिया, जहाँ उसका इलाज शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री ने जन शिकायत निवारण शिविर में जनसुनवाई की। प्रदेश भर से 50 से ज़्यादा लोग उनसे मिलने आए। मुख्यमंत्री ने हर व्यक्ति से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की, उनकी समस्याओं को सुना और अधिकारियों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इनमें एक बुज़ुर्ग माँ भी शामिल थीं जिन्होंने मुख्यमंत्री योगी से अपनी पीड़ा साझा की।

वाराणसी में महिला पुलिसकर्मियों का सम्मान, पुलिस कमिश्नर ने किया लंच और पुरस्कृत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शुरू किए गए मिशन शक्ति-5.0 के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश में कई पहल हो रही हैं। इसी कड़ी में वाराणसी में पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने एक अनोखा आयोजन किया, जिसमें उन्होंने सभी थानों से आई महिला पुलिसकर्मियों के साथ लंच किया और उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजन उन्हें अपने कर्तव्यों को और बेहतर तरीके से निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। मिशन शक्ति के तहत ये महिला पुलिसकर्मी अपने-अपने क्षेत्रों में महिलाओं की सुरक्षा, जागरूकता और आत्मनिर्भरता के लिए लगातार

काम कर रही हैं।

पुलिस कमिश्ननर मोहित अग्रवाल ने कहा, महिला पुलिसकर्मी हमारी पुलिस फोर्स की रीढ़ हैं। मिशन शक्ति के तहत इनका योगदान समाज में महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाने में महत्वपूर्ण है। यह सम्मान उनकी मेहनत और समर्पण को प्रोत्साहन देने का एक छोटा सा प्रयास है। सब इंस्पेक्टर मानसी चौरसिया ने बताया, हमें इस सम्मान से बहुत प्रेरणा मिली है। हम मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को सशक्त बनाने और समाज में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए और अधिक मेहनत करेंगे। वहीं, सब इंस्पेक्टर दीक्षा पांडेय ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, ऐसे आयोजन हमें यह एहसास दिलाते हैं कि हमारा काम समाज के लिए कितना महत्वपूर्ण है। हम अपने कर्तव्यों को और दृढ़ता से निभाएंगे।

इस आयोजन ने न केवल महिला पुलिसकर्मियों का हौसला बढ़ाया, बल्कि समाज में यह संदेश भी दिया कि पुलिस प्रशासन महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मिशन शक्ति-5.0 के तहत ऐसे आयोजन पूरे प्रदेश में महिलाओं के लिए एक सकारात्मक माहौल बना रहे हैं।

बरेली दंगा मामला : यूपी पुलिस ने 15 उपद्रवियों को किया गिरफ्तार, निकाले गए फ्लैग मार्च

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में हुए दंगे के मामले में यूपी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 15 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

बरेली सिटी के एसपी मानुष पारीक ने समाचार एजेंसी से बातचीत करते हुए कहा कि शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद कुछ लोगों ने उपद्रव मचाया था। इस मामले में अब तक कुल 10 एफआईआर दर्ज हुईं। शनिवार को 12 उपद्रवियों को जेल भेजा गया था, वहीं रविवार को थाना बरादरी और थाना कोतवाली से 15 उपद्रवियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से पुलिस ने भारी सामग्री बरामद

की है। इसमें प्लास्टिक के कट्टे में रखे ईंट-पत्थर के टुकड़े, पांच जोड़ी पुरानी चप्पलें, एक 12 बोर का जिंदा कारतूस, एक 13 बोर के खोखे में जिंदा कारतूस और एक 315 बोर का तमंचा शामिल है।

एसपी ने साफ कहा कि ये सभी मामले शहरी इलाके से जुड़े हुए हैं। उन्होंने आगे बताया कि पूरे मामले की जांच और उचित कार्रवाई के लिए विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है।

दूसरी ओर, डीआईजी अजय साहनी ने भी पुलिस बल के साथ शहर में फ्लैग मार्च किया। संवेदनशील इलाकों में पुलिस और पीएसी के जवानों की तैनाती की गई है, ताकि हालात नियंत्रण में रहें और कोई अप्रिय घटना न हो।

फ्लैग मार्च का उद्देश्य लोगों को सुरक्षा का भरोसा देना और यह दिखाना था कि प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ स्थिति पर नजर रखे हुए है। उन्होंने सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील भी की है।

मृतकों की संख्या 41 हुई, राहुल गांधी ने सीएम एमके स्टालिन और टीवीके प्रमुख विजय से की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने तमिलनाडु के करूर में भगदड़ की घटना के बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और टीवीके पार्टी के अध्यक्ष विजय से फोन पर बात की है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

बता दें कि तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की चुनावी रैली में हुई भगदड़ में अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है। वेलुसामीपुरम निवासी एक महिला की रविवार देर रात मौत हुई। इससे मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 41 पहुंच गया।

रैली के बाद महिला लापता हो गई थीं। बाद में उनके रिश्तेदारों को पता चला कि उन्हें करूर सरकारी अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज

के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

यह हादसा शनिवार शाम को हुआ, जहां विजय का भाषण सुनने के लिए हजारों लोग जमा हुए थे। चश्मदीदों ने बताया कि भीड़ क्षमता से ज्यादा बढ़ गई थी और जैसे ही लोग टीवीके नेता की एक झलक पाने के लिए आगे बढ़े, अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि थोड़ी देर के लिए बिजली गुल होने से अफरा-तफरी और बढ़ गई। इस भगदड़ में कई लोग संकरी गलियों में फंस गए तो कई बेहोश हो गए और कुछ कुचले गए।

रविवार रात तक 34 शवों की पहचान हो चुकी थी और उन्हें उनके परिवारों को सौंप दिया गया था। 80 से ज्यादा लोग अभी भी घायल हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।

हादसे के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि उन्हें करूर में हुई दुखद जनहानि से गहरा दुख हुआ है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना को हृदय विदारक बताया और मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

रेल मंत्री ने 7 ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी, छठ पूजा को लेकर किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरात्रि के पावन अवसर पर भारतीय रेलवे ने बिहार को सात नई ट्रेनों की सौगात दी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीन अमृत भारत समेत सात ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इसमें मुजफ्फरपुर-चरलापल्ली जंक्शन, दरभंगा-मदार जंक्शन और छपरा-आनंद विहार टर्मिनल तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं।

उन्होंने आगे कहा, मुजफ्फरपुर-चरलापल्ली जंक्शन, दरभंगा-मदार जंक्शन और छपरा-आनंद विहार टर्मिनल के बीच तीन नई अमृत भारत ट्रेनें शुरू की जा रही हैं। इसके अलावा, चार पैसेंजर ट्रेनें भी आज से शुरू की गई हैं। पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में

बिहार में तेजी से विकास किया जा रहा है और मैं उम्मीद करता हूं कि आने वाले दिनों में बिहार नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने छठ पूजा के लिए स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में छठ पूजा के दौरान बिहार के लिए 12,000 विशेष ट्रेनें चलाने का फैसला किया गया है। इसके अतिरिक्त, 150 ट्रेनें रिजर्व रखी जाएंगी, जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर संचालित किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में रेलवे में तेजी से कार्य किया गया। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कदम उठाए गए हैं। एक लाख करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट आज बिहार में चल रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में 1,899 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन का निर्माण किया गया है। अभी बहुत सारे प्रोजेक्ट रेलवे में चल रहे हैं, जैसे वंदे भारत और नमो भारत ट्रेनें, जो बिहार की अर्थव्यवस्था को गति देंगी।

लॉरेंस गैंग ने पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी को दी चुनौती, कहा– भारत में कुछ भी करोगे तो बर्दाश्त नहीं

चंडीगढ़। लॉरेंस गैंग ने सरहद पार बैठे पाकिस्तानी अंडरवर्ल्ड शख्स शहज़ाद भट्टी को खुली चुनौती दे दी है और स्पष्ट किया है कि भारत की जमीन पर किसी विदेशी माफिया का प्रभाव स्वीकार्य नहीं होगा। यह टकराव तब बढ़ा जब भट्टी के कथित नेटवर्क ने पंजाब और दिल्ली-एनसीआर में अपने पैर जमा करने की कोशिश की।

दीपू भाई देख, जिस दिन से हमने भट्टी के ठिकाने पर चक्कर मारा है, तब से वह अपने फ्लैट को छोड़कर अपनी गाड़ी में वीडियो बनाता है। साथ ही साथ टिकटॉक पर लाइव आता है। एक तरफ तो भट्टी रो रहा है कि मेरा पांच करोड़ रुपये वापस कर दो। मैं कहना चाहता हूं कि अगर तुम इतने बड़े डॉन हो तो आकर हमसे लेकर दिखा दो पांच करोड़। आओ और हमें मारकर ले लो।

दीपू: अगर ऐसी बात है तो प्रशासन न दिलवा देता इसे पैसे। भट्टी खुद को डॉन बताता है और कहता है कि मैंने अपने हाथों से काम किए हैं। अगर तुम में बिल्कुल भी दम है तो आकर मेरे से पैसा लेकर दिखाएं। पांच करोड़ रुपये की बात तो दूर की है, हमसे भट्टी पांच रुपये लेकर दिखा दे, फिर हम मानेंगे।

पुलिस ने चेतावनी के साथ मामले को लिया गंभीरता से

पंजाब पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों ने इन वायरल संदेशों और कॉल-रिकॉर्डिंग को गंभीरता से लिया है। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी हालत में पाकिस्तान से जुड़े नेटवर्क को भारत में पैर जमाने नहीं दिया जाएगा। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अगर पाकिस्तानी तस्करी नेटवर्क और स्थानीय गिरोह आमने-सामने आए तो स्थिति गैंगवार की दिशा में बढ़ सकती है, इसलिए निगरानी और अब तक के ऑपरेशनों को तेज किया गया है।

पाकिस्तान पर भारत की जीत से राहुल गांधी और कांग्रेस सदमे में: अमित मालवीय

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप फाइनल में भारत की शानदार जीत के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला किया।

अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ऐसा लगता है कि एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की शानदार जीत से राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस सदमे में है। जैसे ऑपरेशन सिंदूर के बाद, जब वे भारतीय सेना को उसके शानदार ऑपरेशन के लिए बधाई नहीं दे पाए थे, अब वे भी भारतीय क्रिकेट टीम की सफलता पर देश के साथ जश्न मनाने से पहले पाकिस्तान में अपने हैंडलर मोहसिन नकवी से इजाजत का इंतजार कर रहे हैं।

उन्होंने आगे लिखा, यह तो अलग बात है कि टूर्नामेंट में पाकिस्तान को तीन बार हराने और एशिया कप जीतने पर हमारी राष्ट्रीय टीम को बधाई देने के लिए कांग्रेस की तरफ से सोशल मीडिया पर एक भी पोस्ट नहीं आया। एक बार फिर, पाकिस्तान, राहुल गांधी और कांग्रेस एक ही खेमे में नजर आ रहे हैं।

इससे पहले, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस भारत के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ खड़ी है। एक तरफ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पाकिस्तान को खेल के मैदान पर धूल चटाने वाली भारतीय क्रिकेट टीम को अब तक बधाई नहीं दी। दूसरी तरफ, जब पाकिस्तान पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घिर चुका है, तब कांग्रेस के नेता पाकिस्तान के लिए खेल भावना दिखाने की बात करते हैं। आखिर कांग्रेस हमेशा भारत के ऊपर पाकिस्तान का पक्ष क्यों लेती है?

उल्लेखनीय है कि दुबई में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को हराकर नौवीं बार एशिया कप खिताब अपने नाम किया। टीम इंडिया की इस जीत के बाद जहां पूरा देश जश्न मना रहा है, वहीं भाजपा नेताओं ने कांग्रेस की 'चुप्पी' को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है।

'जो नहाया हो वो ही कमरे में आए..', आश्रम कांड के आरोपी बाबा ने होटल के कर्मचारियों को दी थी ये हिदायत

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा में चैतन्यानंद सरस्वती ने होटल में कमरा लेते ही हाउसकीपिंग सर्विस के कर्मचारियों को हिदायत दे दी थी। कहा था कि बिना अनुमति कमरे में मत आना। जो नहाया न हो वो कमरे में प्रवेश न करे। कमरे में चप्पल उतार कर आएं। इस कारण कोई भी उसके कमरे में नहीं गया।

होटल में आने के बाद भी 17 छात्राओं के यौन शोषण का आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती अपने टैक्सी चालक के संपर्क में ही था। ऐसा लग रहा था कि वह उसके साथ रविवार को कहीं और जाने वाला था। उससे ही व्हाट्सएप कॉल पर बात कर रहा था। रात आठ बजे उसे कॉल करके फलाहार मंगाया।

28 किताबें और 143 पेपर लिखे

आरोपी चैतन्यानंद की उम्र 62 वर्ष है। 42 वर्ष की उम्र पर उसपर पहला मामला दर्ज हुआ था। स्वामी ने एमबीए व पीएचडी शिकागो यूनिवर्सिटी से करने का दावा किया है। दावा किया है कि वह 28 किताबें और 143 रिसर्च पेपर लिख चुका है। फिलॉसफर, राइटर व प्रोफेसर को अपना प्रोफेशन बताया है।

रात में आलू के साथ खाईं कुट्टू की पूड़ी

इस पर चालक ने होटल के बगल के रेस्तरां के कर्मचारी देवा को कॉल किया। देवा ने बताया कि चालक ने उससे कहा कि फलाहार चाहिए। पहले उन्होंने मना किया। बाद में भोजन के लिए आलू तैयार करवाए। रात करीब आठ बजे एक कर्मचारी कमरे में दे आया। एक घंटे बाद चालक का फिर से कॉल आया। उसने इस बार व्रत वाली कुट्टू की पूड़ी और कट्टू की सब्जी मांगी।

आधा घंटे बाद कर्मचारी वह भी दे आया। इसके बाद कोई कॉल नहीं आया। आरोपी बाबा के पकड़े जाने के बाद कमरा दिलाने में सहयोग करने वाले कौशल और चालक टीटू ने फोन उठाना बंद कर दिया। देवा ने बताया कि खाने के बिल का भुगतान नहीं किया गया था।

इस कारण वो चालक को कॉल कर रहा था मगर किसी ने कॉल रिसीव नहीं किया। बाद में पता चला कि स्वामी पार्थ सारथी ने होटल का भी भुगतान नहीं किया। कर्मचारी ने रकम मांगने का प्रयास किया तो पुलिसकर्मियों ने कहा कि रकम चाहिए तो दिल्ली आकर ले जाना।

खाता खुलवाते समय अलग-अलग दस्तावेज जमा कराए थे

जानकारी के अनुसार, चैतन्यानंद सरस्वती प्राथमिकी दर्ज होने के बाद चार अगस्त को दिल्ली से भाग गया था। आगरा के होटल कर्मचारियों के अनुसार, चैतन्यानंद 27 सितंबर को शाम करीब चार बजे होटल पहुंचा, जहां उसे कमरा नंबर 101 दिया गया। उन्होंने बताया कि वह पूरी रात कमरे में रहा। ये भी पता लगा है कि 'पार्थ सारथी' ने अपने खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद 50 लाख रुपये से ज्यादा की रकम निकाल ली। अधिकारी ने कहा कि खाता खुलवाते समय उसने कथित तौर पर अलग-अलग विवरण वाले दस्तावेज जमा किए थे।

मधुमेह की बीमारी से है पीड़ित

आरोपी के वकील ने अपने मुवक्किल के हवाले से कहा कि आपने मेरे फोन, आईपैड और मेरा सामान ले लिया है। मैं मधुमेह से पीड़ित हूं और मुझे बैचेनी की समस्या है। मेरे भिक्षु वाले वस्त्र छीन लिए गए हैं। उन्होंने दलील दी कि मुझे (चैतन्यानंद को) परेशान करने के लिए पुलिस हिरासत में भेजा जा रहा है। यदि आपको लगता है कि (महिलाओं के लिए) खतरा है, तो मुझे न्यायिक हिरासत में लेकर उसका उपाय किया जा सकता है। शिकायतकर्ता की और से पेश वकील ने कहा कि पुलिस हिरासत की आवश्यकता है, क्योंकि आरोपी का पीड़िताओं के बयान और डिजिटल एवं अन्य साक्ष्यों के साथ सामना कराना होगा।

पासवर्ड नहीं बताए

पीड़ितों के वकील ने अदालत में कहा कि एक गवाह ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अगर उसने शिकायत करने की हिम्मत की, तो उसे उठा लिया जाएगा। जांच जो अभी प्रारंभिक चरण में है, उसमें छेड़छाड़ का खतरा है। धोखाधड़ी के अपराध के लिए एक और प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसमें आरोपी की अग्रिम जमानत खारिज कर दी गई है। वकील ने कहा है कि यह पहली बार है, जब वह दो महीने में जांच में शामिल हुआ है। आरोपी जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। उसने अपने आईपैड और आईक्लाउड के पासवर्ड नहीं बताए हैं। सिर्फ जब्ती काफी नहीं है।

स्वामी के बारे में प्रमुख बातें

स्वामी ने किताब फॉरगेट क्लासरूम लर्निंग में एपल के संस्थापक स्टीव जॉब्स की प्रस्तावना है। पुस्तक के पहले पेज पर जॉब्स के हवाले से कहा गया है कि चैतन्यानंद की किताब मैनेजमेंट की दुनिया के लिए मार्गदर्शक है।

आरोपी की एक पुस्तक में यह भी दावा किया गया है कि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने चुनाव अभियान के दौरान उनकी किताब ट्रांसफॉर्मिंग पर्सनैलिटी का कई बार जिक्र किया गया है। चे पुस्तक वर्ष 2007 में यूरोपिय और उत्तरी अमेरिका बाजारों में सबसे ज्यादा बिकने वाली किताबों में से एक थी। देश की राजधानी दिल्ली स्थित एक आश्रम में 17 छात्राओं के यौन शोषण का आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ स्वामी पार्थ सारथी नाटकीय अंदाज में आगरा के ताजगंज के होटल द फर्स्ट में पहुंचा था। 11 घंटे बाद ही दिल्ली पुलिस की टीम पहुंची और बाबा के ठहरने के बारे पूछा। इसके बाद सीधे कमरा नंबर 101 में पहुंची और 15 मिनट पूछताछ के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर दिल्ली ले गई।

नवरात्रि सप्तमी पर मातृ भारती द्वारा कन्या पूजन एवं प्रसाद वितरण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध राजाराम सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर में आज नवरात्रि की सप्तमी तिथि पर मातृ भारती कार्यकारिणी एवं मनीषा सिंह द्वारा नवदुर्गा की पूजा-अर्चना बड़े श्रद्धाभाव से की गई। पूजन एवं हवन का कार्य पंडित आशीष त्रिपाठी ने सम्पन्न कराया। इसके उपरांत विद्यालय की सभी छात्राओं को हलवा, पूरी एवं चने का प्रसाद वितरित किया गया।

कार्यक्रम में प्रधानाचार्य दिग्विजय नाथ पांडेय ने सभी मातृशक्तियों का स्वागत किया और नवदुर्गा के नौ रूपों एवं भैरव की विधिवत पूजा पाद प्रक्षालन एवं आरती के साथ संपन्न की। विद्यालय के सभी आचार्यों एवं आचार्या दीदियों ने भी पूजन व आरती में भागीदारी की।शिशु भारती एवं छात्र संसद के बच्चों ने हवन व आरती में सहयोग कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों ने इस आयोजन की सराहना की और इसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बताया। आरती के बाद प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। अंत में मातृ भारती प्रमुख उषा शुक्ला ने सभी का आभार व्यक्त किया।

संत समाज खड़ा होगा योगी के साथ-मौनी महाराज

सुल्तानपुर। धम्मौर के कूडधाम में आयोजित विशाल धार्मिक कार्यक्रम के दौरान सागर पीठाधीश्वर मौनी महाराज ने तीखा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर किसी को नारे लगाने हैं तो अपने धर्मस्थल पर लगाए, सड़क जाम और प्रशासन पर हमले की स्थिति में संत समाज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ खड़ा होगा। मौनी महाराज ने कहा कि योगी को अराजक तत्व अकेला न समझें। उन्होंने संदेश देते हुए कहा "स्त्री मेरी मां है, बेटियां देवी हैं। राष्ट्र और मां को देखते हुए हमें राष्ट्र नवनिर्माण के लिए संकल्पित होना होगा। जातिगत समीकरण प्रगति में बाधक हैं।" उन्होंने आगे कहा कि यह भूमि दुर्गा, राम और शिव की है, वर्तमान में नवरात्रि चल रहा है और आज काली की पूजा का पर्व है। जो अन्याय करेगा उसे दंडित किया जाएगा और जो देश के खिलाफ काम करेगा उस पर प्रहार अवश्य होगा। मौनी महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सक्षम बताते हुए कहा कि राष्ट्र को सुरक्षित रखने के लिए वे दोनों प्रतिबद्ध हैं।

सपा नेता इरफान सोलंकी की रिहाई पर छाया संकट, ईडी ने कसा शिकंजा, बांग्लादेशी नागरिक को दी थी पनाह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। पूर्व सपा विधायक इरफान सोलंकी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। जाजमऊ आगजनी मामले में सजा और हाल ही में मिली जमानत के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार्जशीट दाखिल कर दी है। ईडी ने सोलंकी सहित उनके पांच करीबी सहयोगियों को तलब किया है और सभी को सोमवार को लखनऊ कार्यालय में पेश होने का निर्देश दिया गया है।

बताया जा रहा है कि नोटिस में कानपुर के पांच अन्य व्यक्तियों के नाम भी शामिल हैं, जो पहले से ही संबंधित मामलों में आरोपित रह चुके हैं। आरोप है कि सोलंकी ने एक बांग्लादेशी नागरिक को आश्रय दिया और उसे भारतीय पहचान पत्र उपलब्ध कराने में मदद की। साथ ही उन पर संदिग्ध वित्तीय लेन-देन करने

का भी आरोप है।वहीं माना जा रहा है कि यह कार्रवाई मार्च 2024 में ईडी की उस छापेमारी से जुड़ी है, जिसमें सोलंकी के पांच ठिकानों से 30 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई थी।

बिल्डर और बांग्लादेशी नागरिक भी तलब

ईडी की समन सूची में सोलंकी से नजदीकी रखने वाले एक पूर्व पार्षद का नाम भी है, जो दो बार नगर निगम चुनाव जीत चुके हैं। ईडी ने इस मामले में कानपुर के चर्चित बिल्डर हाजी वसी को भी पेश होने के लिए कहा है। इसके अलावा, उस बांग्लादेशी व्यक्ति को भी तलब किया गया है, जो पहले भारतीय दस्तावेज बनवाने की जालसाजी में जेल जा चुका है।

जमानत के बाद तय मानी जा रही थी रिहाई

बता दें कि इरफान सोलंकी सीसामऊ सीट से चार बार विधायक रह चुके हैं। जून 2024 में जाजमऊ आगजनी मामले में सात साल की सजा मिलने के बाद विधानसभा ने उनकी सदस्यता समाप्त कर दी थी। हालांकि, 25 सितंबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उन्हें, उनके भाई रिजवान सोलंकी और सहयोगी इजराइल अटेवाला को जमानत दी थी। इसके बाद उनकी रिहाई तय मानी जा रही थी, लेकिन ईडी की नई कार्रवाई से उनकी मुश्किलें फिर बढ़ गई हैं।

आधार कार्ड में एड्रेस से लेकर नाम तक...ये जानकारियां अपडेट करने के बदले नियम, चुकानी पड़ेगी अधिक रकम

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। भारतीय विशिष्ट पहचान संख्या आधार कार्ड को अपडेट करने के लिए अब आपको अपनी जेब ढीली करनी पड़ेगी। आधार से संबंधित कार्यों के दाम में 1 अक्तूबर से बढ़ोतरी की जा रही है।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के मीडिया पर्सन अकरम ने बताया कि बाल आधार 7 से 14 साल के बीच में बायोमैट्रिक कराने पर अब 100 रुपये की जगह 125 रुपये लिए जाएंगे। 5 से 7 और 15 से 17 साल के बीच कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

नाम, पता, पिता का नाम, जन्मतिथि जेंडर अपडेट कराने की फीस 50 रुपये को बढ़ाकर 75 रुपये कर दी गई है। केवाइसी कराने की फीस 50 से 75 रुपये की गई है। बायोमैट्रिक डेमोग्राफिक की फीस 100 से बढ़ाकर 125 रुपये की गई है।

एक दिन की सीओ बनीं छात्रा ईशा साहनी, फरियादियों की समस्या सुनकर दिए निस्तारण के निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

चुनार (मीरजापुर)। मिशन शक्ति फेज-05 अभियान के तहत पुलिस विभाग की अनूठी पहल में सोमवार को जीजीआईसी चुनार की मेधावी छात्रा ईशा साहनी को एक दिन के लिए चुनार सर्किल क्षेत्राधिकारी (सीओ) का कार्यभार सौंपा गया।

सीओ मंजरी राव ने बताया कि एसएसपी सोमेन वर्मा के के निर्देशन में की गई इस पहल का उद्देश्य युवाओं को प्रशासनिक कार्यप्रणाली से परिचित कराना और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना है।

कार्यभार संभालते ही 'एक दिन की सीओ' ईशा ने गंभीरता से अपने दायित्वों का निर्वहन शुरू किया। उन्होंने सीओ कार्यालय के कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया और कार्यालय की कार्यप्रणाली को समझा। इसके बाद महत्वपूर्ण रजिस्टरों का अवलोकन कर पुलिसिंग के विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली।

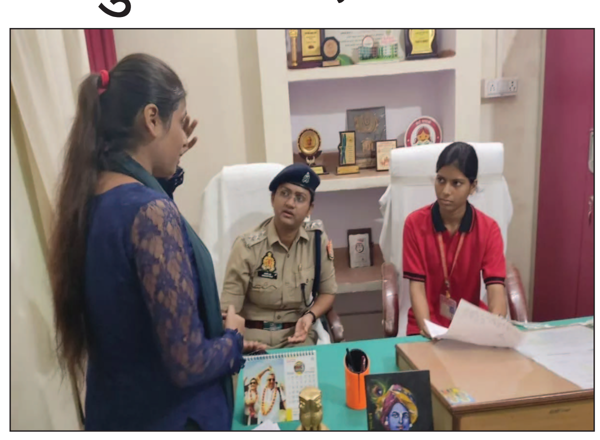

उन्होंने जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की समस्याएं भी सुनीं। इस दौरान उन्होंने कोतवाली क्षेत्र की फरियादी स्वाति गुप्ता की समस्या पर गंभीरता से विचार कर चुनार कोतवाल को मामले में आवश्यक निर्देश दिए।

ईशा ने कहा कि यह उनके जीवन का अविस्मरणीय अनुभव है। उन्होंने महसूस किया कि एक जिम्मेदार अधिकारी के रूप में जनता की समस्याओं को सुनना और समाधान देना कितनी बड़ी जिम्मेदारी है।

सीओ चुनार मंजरी राव ने बताया कि मिशन शक्ति-05 के तहत बालिकाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें प्रशासनिक कार्यों से जोड़ने की यह पहल शासन के निर्देश पर की गई। इसका उद्देश्य छात्राओं को भविष्य में सिविल सेवाओं के लिए प्रेरित करना है।

कक्षा 10 व 12 की छात्राएं भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होंगी। जिसके प्रति जागरूक करने तथा विभिन्न विभागों में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए एक दिन का पदभार सौंपने की ये पहल की गई।

सीओ ने बताया कि एक दिन की सीओ हेतु छात्रा के चयन के लिए कोई निर्धारित प्रक्रिया नहीं है। राजकीय बालिका इंटर कालेज चुनार की प्रधानाचार्या से वार्ता और परामर्श कर कक्षा 12 की छात्रा ईशा साहनी को एक दिन का सीओ बनाया गया। इस अनुभव से उन्हें प्रशासनिक कार्य और जनसेवा की बारीकियों का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त हुआ। मंजरी राव ने कहा कि मिशन शक्ति छात्राओं को सशक्त बनाने और उनके नेतृत्व कौशल को निखारने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

फतेहपुर में ब्लास्ट : तेज आवाज के साथ उड़ी छत... मलबे में दबकर दो की मौत और दो घायल

आर्यावर्त संवाददाता

फतेहपुर। कल्यानपुर थाना क्षेत्र के गांव रेवाड़ी खुर्द में सोमवार सुबह घर के ऊपर बने कमरे में विस्फोट हो गया। मलबे में दब कर गृहस्वामी नूर मोहम्मद (57), पुत्री तायबा (18) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि घटना में नूर मोहम्मद का पुत्र अलीशेर, दूधिया गुड्डू निवासी लक्ष्मणपुर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को गंभीर हालत में पीएचसी गोपालगंज से हैलेट अस्पताल कानपुर रेफर किया गया है। पुलिस अधीक्षक अनूप सिंह ने मौके का निरीक्षण किया है। मृतक गांव के बाहर पटाखा बनाने की फैक्टरी चलाता था। पुलिस विस्फोट का कारण जानने के लिए जांच में जुटी है।

प्रधानमंत्री के 2047 विज़न को लेकर सीएम योगी ने किया संवाद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 विज़न को साकार करने की दिशा में चल रही कवायद के तहत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी नगर निकायों व पालिका परिषदों के अध्यक्षों और बोर्ड सदस्यों से वर्चुअल संवाद किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर सुलतानपुर नगर पालिका परिषद को विशेष रूप से चयनित किया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल सहित बोर्ड के सभी सदस्य इस संवाद में शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री के विज़न की विस्तृत रूपरेखा रखते हुए कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने में स्थानीय निकायों की अहम भूमिका होगी। उन्होंने नगर पालिकाओं से अपील की कि वे अपने-अपने शहरों में बेहतर बुनियादी ढाँचा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और स्मार्ट प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें।

सुलतानपुर को मिला सम्मान

नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल ने इस अवसर पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सुलतानपुर को संवाद के लिए चुना जाना हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने सीधे संवाद कर नगर के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने और प्रधानमंत्री के 2047 विज़न को धरातल पर उतारने के लिए दिशा-निर्देश दिए। अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल ने कहा कि "सुलतानपुर की जनता का आशीर्वाद और मुख्यमंत्री का मार्गदर्शन हमारे लिए प्रेरणा है। हम सभी बोर्ड सदस्य मिलकर शहर को स्वच्छ, आधुनिक और विकास की नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री के 2047 के विज़न को साकार करने में सुलतानपुर की अहम भूमिका होगी।"कार्यक्रम के अंत में नगर पालिका बोर्ड के सभी सदस्यों ने भी एकजुट होकर संकल्प लिया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के सपने को साकार करने में पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

विश्व रेबीज़ दिवस पर संगोष्ठी आयेजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। विश्व रेबीज़ दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में एक भव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ जे सी सरोज ने रेबीज़ रोग से बचाव के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। डॉ लाल जी जिला सर्वेलैंस अधिकारी द्वारा रेबीज़ वैक्सीनेशन के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन कर रहे जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ आकर्ष शुक्ला द्वारा वर्ष 2025 की थीम के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी, स्वशासी महाविद्यालय सुल्तानपुर से आयी डॉ पायल सिह ने रेबीज़ से संबंधित अपने व्यक्तिगत अनुभव को सभी से साझा किया। गोष्ठी कार्यक्रम का संचालन ज़िला सर्वेलैंस यूनिट से नितिन भारद्वाज द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला पशु चिकित्सा विभाग के चिकित्सको, जिला मलेरिया अधिकारी एवं अन्य लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

दस्यु निर्भय गुर्जर गैंग का सदस्य आगरा पुलिस ने किया गिरफ्तार, कभी पांच सौ रुपये था इनाम, जो बढ़कर हुआ 50 हजार

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। दस्यु निर्भय गुर्जर गैंग का सदस्य 50 हजार रुपये के इनामी को डौकी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अपहरण, चोरी, लूट, डकैती जैसी वारदातों में आरोपित शामिल रहा है। पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा बरामद किया है।

पुलिस लाइन सभागार में डीसीपी पूर्वी सैय्यद अली अब्बास ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने सोमवार को सैंथा थाना गजनेर कानपुर देहात व वर्तमान में बांदा के जसपुर में रह रहे बबलू उर्फ टाइगर उर्फ जितेंद्र को गिरफ्तार किया है। आरोपित दस्यतु सरगना निर्भय गुर्जर गैंग का सदस्य है। आरोपित गैंग के सदस्यों के साथ मिलकर अपहरण की वारदातों को अंजाम देता था।

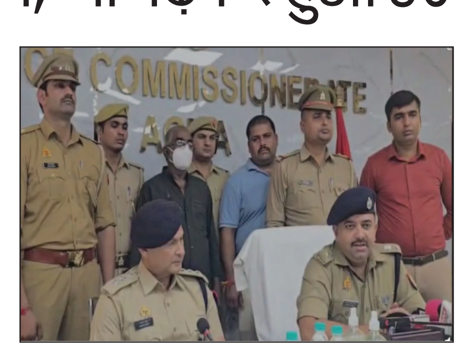

मुखिया के मारे जाने के बाद अंडरग्राउंड था

वर्ष 2002 में आरोपित ने राठेरी गांव के हरिओम उर्फ कल्ला का अपहरण किया था। गैंग के मुखिया निर्भय गुर्जर के पुलिस एकाउंटर में मारे जाने के बाद से बाद अंडरग्राउंड था। सोमवार को वह एक दूध व्यापारी के अपहरण के लिए आया था, तभी पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया।

पिढ़ौरा थाने में दर्ज है केस

आरोपित के खिलाफ पिढ़ौरा थाने में वर्ष 2002 में अपहरण का मुकदमा भी दर्ज कराया गया था। तभी से पुलिस को उसकी तलाश थी। शुरुआत में उसके ऊपर पांच सौ रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इनाम की धनराशि पांच सौ से बढ़कर 25 हजार हुई, इसके बाद 50 हजार रुपये हो गई।

जनता दर्शन में उमड़ा जनसैलाब, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सुनी लोगों की समस्याएं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने लखनऊ कैम्प कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों से आए सैकड़ों फरियादियों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश दिए।जनता दर्शन में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं, बुजुर्ग और युवा शामिल हुए। फरियादियों की ओर से रखी गई समस्याओं में भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामले, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, बिजली-पानी, पुलिस कार्रवाई, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने कहा कि जनता दर्शन आमजन से सीधे संवाद का माध्यम है, जिससे जमीनी हकीकत सामने आती है। जरूरतमंद और पात्र लोगों को हर संभव सरकारी सुविधाओं का लाभ मिलना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि हर पीड़ित को समयबद्ध राहत मिलनी चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने उत्पीड़न और भूमि कब्जे के मामलों को गंभीरता से लेने और जहां आवश्यक हो, कठोर कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री स्वयं फरियादियों के पास जाकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते रहे। महिलाओं, दिव्यांगजनों और बुजुर्गों की समस्याओं को उन्होंने प्राथमिकता पर लिया और अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक समस्या का ऐसा समाधान किया जाए जिससे पीड़ित व्यक्ति पूरी तरह संतुष्ट हो और उसे बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।जनता दर्शन में लगभग तीन दर्जन से अधिक जिलों से लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुँचे। उप मुख्यमंत्री ने गोंडा, मिर्जापुर, मेरठ, अंबेडकरनगर, श्रावस्ती, बाराबंकी और कौशांबी के जिलाधिकारियों तथा वाराणसी के पुलिस आयुक्त और शासन के वरिष्ठ अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर मामलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। भूमि विवाद से जुड़े प्रकरणों में उन्होंने राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाकर कार्रवाई करने को कहा।उन्होंने उपस्थित लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और कोई भी पीड़ित निराश नहीं लौटेगा।

प्रदेश में पुरानी आलू को नया बनाने वाले हानिकारक प्रयासों के खिलाफ विशेष प्रवर्तन अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने जानकारी दी है कि विभिन्न जनपदों से प्राप्त शिकायतों और निरीक्षण के दौरान यह तथ्य सामने आया कि कुछ व्यापारी पुराने आलू को नया आलू बनाकर बिक्री करने के लिए हानिकारक रसायन, अम्ल, लाल रंग और मिट्टी का प्रयोग कर रहे हैं। इस प्रकार की प्रक्रिया उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकती है।इसी दृष्टिगत 28 सितंबर 2025 को सम्पूर्ण प्रदेश में विशेष प्रवर्तन अभियान संचालित किया गया, जिसमें सभी जनपदों में छापेमारी, निरीक्षण और प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। डॉ. जैकब ने समस्त जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आलू भंडारण केंद्र, कोल्ड स्टोरेज और आलू मंडियों का निरीक्षण कर इस प्रकार की गतिविधियों पर रोकथाम सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे मामले पाए जाते हैं तो संबंधित विक्रेताओं या प्रतिष्ठानों के खिलाफ कठोर विधिक कार्रवाई और जब्ती/नष्ट करने की कार्रवाई की जाए।अभियान के दौरान कुल 737 निरीक्षण, 72 छापे और 35 नमूनों का संग्रह किया गया। इस कार्रवाई में कुल 754.59 क्विंटल आलू जब्त और नष्ट किया गया, जिसका बाजार मूल्य लगभग 8.49 लाख रुपये था। मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाए गए लगभग 5.6 क्विंटल आलू का मूल्य 0.108 लाख रुपये था।जिलेवार कार्रवाई के दौरान कानपुर नगर में 2 आलू नमूने और 2 अपमिश्रक नमूने (कुल 11,200 किग्रा) जब्त किए गए, बाराबंकी में 2 आलू और 2 अपमिश्रक नमूने (6,900 किग्रा), लखनऊ में 1 नमूना (2,300 किग्रा), उन्नाव में 7 आलू और 1 अपमिश्रक नमूना (19,300 किग्रा), गाजीपुर में 1 नमूना (3,498 किग्रा), बरेली में 2 आलू और 1 अपमिश्रक नमूना (1,000 किग्रा), गोरखपुर में 2 आलू और 1 अपमिश्रक नमूना (12,000 किग्रा), तथा संभल में 2 आलू नमूने (19,260 किग्रा) जब्त किए गए।आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने उपभोक्ताओं को चेतावनी दी कि पुराने आलू को नया बनाने के लिए हानिकारक रसायन, अम्ल और रंगीन मिट्टी का प्रयोग स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभाग ऐसे मामलों में शामिल पाए गए सभी विक्रेताओं और प्रतिष्ठानों के खिलाफ कड़ी विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करेगा, ताकि उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

• संक्षेप •

लखनऊ विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन के पास अनियंत्रित कार पिलर से टकराई, दो लोग घायल

लखनऊ। की रात्रि लगभग दो बजे एक भीषण सड़क हादसा उस समय हुआ जब एक चार पहिया वाहन लखनऊ विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन के नीचे अनियंत्रित होकर मेट्रो पिलर से टकरा गया। हादसे में वाहन चालक के साथ–साथ मौके पर मौजूद एक अन्य व्यक्ति भी घायल हो गया घटना की सूचना मिलते ही थाना स्थानीय पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुँची और दोनों घायलों को इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। पुलिस के अनुसार घायलों में वाहन चालक की पहचान कौस्तुभ पाण्डेय पुत्र रवि प्रकाश पाण्डेय, उम्र लगभग 20 वर्ष, निवासी शेखपुर कसैला, थाना इन्दिरानगर लखनऊ के रूप में हुई है। परिजनों व घायल चालक से पूछताछ में ज्ञात हुआ कि रात्रि में कौस्तुभ पाण्डेय अपनी कार संख्या यूपी 32 डीआर 7785 से हजरतगंज से आईटी चौराहा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन पार्किंग के पास अज्ञात कारणों से कार अनियंत्रित होकर पिलर से टकरा गई। दुर्घटना में कार क्षतिग्रस्त हो गई और गंभीर रूप से घायल चालक के साथ पास खड़े एक अन्य अज्ञात व्यक्ति को भी चोटें आईंदोनों घायलों को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों ने फिलहाल दोनों की हालत स्थिर बताई है। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुँचे। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है और दुर्घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

मिनीस्ट्रीयल एसोसिएशन का चुनाव संपन्न, अध्यक्ष पद पर संजय कुमार और महामंत्री पद पर ज्ञान प्रकाश विजयी

लखनऊ। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय मिनीस्ट्रीयल एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश का चुनाव सोमवार को स्वास्थ्य भवन महानिदेशालय में संपन्न हुआ। चुनाव में अध्यक्ष पद पर कड़े मुकाबले के बाद संजय कुमार ने अपने प्रतिद्वंदी जितेंद्र नाथ गुप्ता को मात्र एक मत से पराजित कर रोमांचक जीत दर्ज की।महामंत्री पद पर ज्ञान प्रकाश ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सोमेश श्रीवास्तव को 62 वोटों के अंतर से हराकर शानदार जीत हासिल की। इसी तरह वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर लोकेश यादव और कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर तरुण यादव निर्वाचित हुए। कोषाध्यक्ष पद पर मनोज यादव ने बाजी मारी, जबकि वरिष्ठ संयुक्त मंत्री के रूप में अमित चौधरी और कनिष्ठ संयुक्त मंत्री के रूप में नीरज वर्मा चुने गए। संगठन मंत्री का दायित्व सागर श्रीवास्तव को सौंपा गया।ऑडिटर पद पर विवेक श्रीवास्तव ने जीत दर्ज की और सांस्कृतिक एवं प्रचार मंत्री के रूप में धीरेंद्र सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विजयी पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने और कर्मचारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का आश्वासन दिया।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से पिता–पौत्र की बाइक हादसे में मौत, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

लखनऊ। नगराम थाना क्षेत्र में 28 सितंबर की रात लगभग 9 .30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें पिता–पौत्र की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, वादी रामसंजीवन के पुत्र अभिषेक कुमार (19 वर्ष) और पौत्र धीरेन्द्र (21 वर्ष) अपनी बाइक संख्या यूपी 32 एमएल 5965 पर निगोहां से मोहनलालगंज की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रायबरेली की तरफ से लखनऊ की ओर आ रहे अज्ञात वाहन ने तेज़ी और लापरवाही से उनकी बाइक में टक्कर मार दी।हादसे में बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत सीएचसी मोहनलालगंज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में शोक और आक्रोश का माहौल फैल गया।

लखनऊ पुलिस की डिजिटल पहल : हर नारी बनेगी मिशन शक्ति की ब्रांड एंबेसडर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित 'मिशन शक्ति' अभियान को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से लखनऊ पुलिस ने आज एक अनूठी डिजिटल पहल की शुरुआत की। 'हर नारी शक्ति स्वरूप है' थीम पर आधारित इस विशेष डिजिटल कैंपेन का शुभारंभ शहर के प्लासियो मॉल में किया गया।अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) किरन यादव ने परंपरा से हटकर इस अभियान का उद्घाटन किया। उन्होंने रिबन काटने की औपचारिकता निभाने के बजाय स्वयं सेल्फी बूथ से एक तस्वीर लेकर इस अभिनव अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त प्रशिक्षणाधीन अपूर्वा पाण्डेय और सहायक पुलिस आयुक्त अनुष्का भी मौजूद रहीं।इस डिजिटल अभियान को व्यापक पहुँच दिलाने के लिए लखनऊ पुलिस ने रेडियो रैनबो जैसे लोकप्रिय मंच का सहारा लिया। सहायक पुलिस आयुक्त (महिला एवं अपराध) सौम्या पाण्डेय ने रेडियो प्रसारण केंद्र का दौरा कर ऑन-एयर होकर लखनऊवासियों को संबोधित किया। उन्होंने महिलाओं और युवाओं से इस अभियान से जुड़ने और मिशन शक्ति को सशक्तिकरण की मुहिम के रूप में देखने की अपील की।प्लासियो मॉल में लगाए गए डिजिटल सेल्फी बूथ पर महिलाएँ और बालिकाएँ अपनी तस्वीरें लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स (ट्विटर) पर साझा कर सकती हैं। अभियान से जुड़ने वाली प्रतिभागियों को लखनऊ पुलिस को टैग करना होगा। सक्रिय रूप से भाग लेने वाली महिलाओं और बालिकाओं की तस्वीरें पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया पेजों पर प्रदर्शित की जाएंगी।लखनऊ पुलिस का मानना है कि यह पहल न केवल महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाएगी, बल्कि हर महिला और बालिका को यह अनुभव कराएगी कि मिशन शक्ति केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और सशक्तिकरण का आंदोलन है। पुलिस ने अपील की है कि शहर की महिलाएँ और बालिकाएँ बड़ी संख्या में इस अभियान का हिस्सा बनें, ताकि 'हर नारी शक्ति स्वरूप है' का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच सके।

ताल को बेस्ट हॉस्पिटल किचन अवार्ड से नवाजा गया

लखनऊ। बलरामपुर अस्पताल को कलेक्ट्रेट में आयोजित समारोह में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) की ओर से बेस्ट हॉस्पिटल किचन अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस मौके पर सुपरवाइजर ओम प्रकाश ने एफएसएसएआई के अफसरों से यह पुरस्कार प्राप्त किया।बलरामपुर अस्पताल में 776 बेड हैं और रोजाना 200 से 250 नए मरीज इमरजेंसी व विभिन्न वार्डों में भर्ती होते हैं। इनमें आयुष्मान योजना से आच्छादित मरीजों के साथ-साथ लावारिस मरीज भी शामिल हैं। अस्पताल के निदेशक कार्यालय के पास बने बड़े किचन से प्रत्येक दिन मरीजों और तीमारदारों को सुबह और रात को दो समय शुद्ध शाकाहारी भोजन निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। इस व्यवस्था के तहत रोजाना लगभग 2500 लोगों को भोजन दिया जाता है, जबकि सुबह के समय करीब 250 आयुष्मान और लावारिस मरीजों को निःशुल्क नाश्ता भी प्रदान किया जाता है।

कृष्णानगर पुलिस ने हत्या के प्रयास में वांछित आरोपी बादल सिंह को गिरफ्तार किया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कृष्णानगर पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में वांछित अभियुक्त बादल सिंह (23 वर्ष), पुत्र राजकुमार सिंह, निवासी नारायनपुरी शिला गैस गोदाम के पास, को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी को आज ट्रैफिक पार्क विजयनगर कृष्णानगर से गिरफ्तार किया गया।यह मामला 9 जुलाई 2025 का है, जब वादिनी मुकदमा श्रीमती किरन गौतम, पत्नी संदीप गौतम, निवासी ग्राम मई पीपरपूर, जनपद अमेठी, ने थाना कृष्णानगर में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया कि आरोपी आयुष गुप्ता उर्फ शीबू ने प्रार्थिनी के पति से रिचार्ज हेतु पैसे मांगें, जिसे मना करने पर उसने प्रार्थिनी के पति के पेट में चाकू मारने का प्रयास किया। इस मामले में पहले से नामजद अभियुक्त आयुष गुप्ता को 19 जुलाई 2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था।मुकदमे की विवेचना और साक्ष्य संकलन के बाद अतिरिक्त धाराओं 3(2)/5 एससी/एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। कृष्णानगर के सहायक पुलिस आयुक्त के निर्देशन में जारी विवेचनात्मक कार्रवाई के तहत पुलिस टीम ने आज बादल सिंह को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी में प्र0नि0 प्रद्युम्न कुमार सिंह, उ0नि0 पंकज कुमार जायसवाल, उ0नि0 सच्चिदानंद पाण्डेय और का0 छोटेलाल द्विवेदी की भूमिका रही।फिलहाल गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ मुकदमा संख्या 330/2025, धारा 61(2)/119(2)/109(1) BNS और 3(2)/5 एससी/एसटी एक्ट, थाना कृष्णानगर के तहत कार्यवाही जारी है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में शारदीय नवरात्रि पर कन्या पूजन कार्यक्रम आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। हिन्दू धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व है और इसे केवल धार्मिक पर्व ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। यह पर्व साधना, उपवास, ध्यान और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। मान्यता है कि नवरात्रि में की गई तपस्या से मन, शरीर और आत्मा की शुद्धि होती है।विगत वर्षों की परंपरा का पालन करते हुए इस वर्ष भी प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर कन्या पूजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय जी ने नौ दुर्गा स्वरूप कन्याओं के पाँव पखारे। महिलाओं द्वारा कन्याओं का श्रृंगार किया गया और उन्हें भोज कराया गया। इसके उपरांत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कन्याओं को वस्त्र, दक्षिणा और अन्य उपहार भेंट कर उनकी आरती उतारी।कन्या पूजन कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक डॉ. प्रमोद कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर गंगा-जमुनी तहजीब का नजारा भी देखने को मिला, जब हिन्दू धर्म के साथ-साथ अन्य धर्मों विशेषकर मुस्लिम धर्म को मानने वाले कार्यकर्ताओं ने भी नौ दुर्गा स्वरूप कन्याओं को श्रद्धा अनुसार उपहार स्वरूप दक्षिणा भेंट की और देवी शक्ति के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता प्रियंका गुप्ता, कांग्रेस सेवादल के जोनल अध्यक्ष सुशील तिवारी, लक्ष्मी नारायण दीक्षित, सतीश बिंद, संजीव सिंह, आशुतोष मिश्रा, चर्चिल भाई सहित भारी संख्या में कांगेसजन उपस्थित रहे।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' का आयोजन, महिलाओं और परिवारों को स्वास्थ्य जागरूकता से किया सशक्त

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में भगिनी निवेदिता महिला विकास प्रकोष्ठ की ओर से 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' के तहत जागरूकता एवं परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। यह अभियान भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की पहल है, जिसका उद्देश्य देश में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण में सुधार लाना है।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई। विश्वविद्यालय कुलगीत गायन के पश्चात आयोजन समिति की ओर से अतिथियों को पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अपोलो अस्पताल, लखनऊ की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ और किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय की पूर्व डीन अकेडमिक प्रो. विनीता दास, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय की प्रोफेसर एवं हेड डॉ. निशा सिंह उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता गृह विज्ञान विद्यापीठ, बीबीएयू की संकायाध्यक्ष प्रो. यूवी किरण और भगिनी निवेदिता महिला विकास प्रकोष्ठ की चेयरपर्सन प्रो. सुमन मिश्रा ने की। मंच संचालन डॉ. लीना शरद शिम्पी द्वारा किया गया।अपोलो अस्पताल की प्रो. विनीता दास ने 'ब्रेकिंग द साइलेंस – लेट्स टॉक अबाउट वीमेंस हेल्थ' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, सही खानपान, नियमित जांच और समय पर उपचार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने महिलाओं में पाई जाने वाली स्वास्थ्य समस्याओं जैसे हीमोग्लोबिन की कमी, ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल, विटामिन डी की कमी और इसके कारण होने वाली गंभीर बीमारियों पर चर्चा की। इसके अलावा सर्वाइकल कैंसर, स्तन कैंसर, बॉडी मास इंडेक्स और टीकाकरण जैसे टिटनेस, हेपेटाइटिस, एचपीवी और इन्फ्लुएंजा पर भी जागरूकता दी और महिलाओं से नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और संतुलित जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया।किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय की डॉ. निशा सिंह ने 'महिलाओं में कैंसर की जागरूकता और रोकथाम' पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने ओवेरियन, स्तन और सर्वाइकल कैंसर की शुरुआती पहचान और रोकथाम की जरूरत पर बल दिया। डॉ. निशा ने महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य, मेनोपॉज के दौरान आने वाली समस्याओं और आहार प्रबंधन पर भी प्रकाश डाला और सभी महिलाओं से सजग रहने और समय पर उचित जांच कराने का आग्रह किया।

गृह विज्ञान विद्यापीठ की प्रो. यूवी किरण ने कार्यक्रम की सफलता के लिए आयोजकों को बधाई दी और कहा कि स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता ही बीमारियों की रोकथाम का पहला कदम है। उन्होंने युवाओं और पुरुषों को भी इस तरह के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

नोएडा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 में यूपीनेडा और अमृत 2 .0 स्टॉल को सर्वश्रेष्ठ का सम्मान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नोएडा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 में उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास विभाग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूपीनेडा के स्टॉल और नगर विकास विभाग के अमृत 2.0 स्टॉल को सर्वश्रेष्ठ स्टॉल का खिताब प्राप्त किया। यह उपलब्धि प्रदेश की विकासशील नीतियों, नवाचारों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन से प्रदेश को नई दिशा देने वाले प्रयासों का परिणाम है।ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के विजन में उत्तर प्रदेश ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। प्रदेश देश में सौर ऊर्जा इंस्टॉलेशन के क्षेत्र में शीर्ष स्थान पर है और अयोध्या को देश की पहली सोलर सिटी के रूप में विकसित किया गया है। किसानों के बिजली चालित नलकूपों को सोलर नलकूपों में बदलने के प्रयास में उत्तर प्रदेश नंबर एक पर है। पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत सोलर इंस्टॉलेशन में भी प्रदेश ने पूरे देश में पहला स्थान प्राप्त किया। इस प्रदर्शनी में विभागीय उपलब्धियों और योजनाओं के माध्यम से प्रदेश को हरित प्रदेश बनाने के प्रयासों को प्रदर्शित किया गया। मंत्री शर्मा ने कहा कि यूपीनेडा की यह सफलता प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन का प्रत्यक्ष परिणाम है।नगर विकास विभाग के अमृत 2.0 स्टॉल को भी मेले में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल घोषित किया गया। मंत्री शर्मा ने बताया कि उद्घाटन के दिन प्रधानमंत्री द्वारा इस स्टॉल का निरीक्षण किया गया और इसे और बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए। अमृत 2.0 के अंतर्गत प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में पाइप से पेयजल और सीवरेज कवरेज सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही जल संरक्षण, उपचारित अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग और जल निकायों के पुनर्जीवन पर विशेष बल दिया जा रहा है। जल की चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देकर सतत शहरी विकास के मार्ग को भी प्रशस्त किया जा रहा है।प्रदर्शनी में अमृत दो मिशन के प्रमुख कार्यों में जलाशयों का पुनरुद्धार और अपशिष्ट जल शोधन को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया। इसमें स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, जिन्हें अमृत मित्र कहा जाता है, ने जल गुणवत्ता परीक्षण और सामुदायिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंत्री शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश के शहरी विकास के प्रति समर्पण और नवाचार की स्पष्ट झलक प्रस्तुत करती है।

पशुपालन और गो संरक्षण को मजबूत करने के निर्देश: मंत्री धर्मपाल सिंह की समीक्षा बैठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार को विधान भवन में पशुधन विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश में पशुपालन और गो संरक्षण के कार्यों को और अधिक मजबूत और सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि किसानों और पशुपालकों के पशुधन को संक्रामक रोगों और अन्य बीमारियों से बचाने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएँ और पशुओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण कार्य सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए वैक्सीन और औषधियों की किसी भी प्रकार की कमी न होने दी जाए, साथ ही उनकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में लम्पी स्किन डिजीज पर नियंत्रण पाया जा चुका है, फिर भी सतर्कता जारी रखी जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि वृहद गो संरक्षण केंद्रों और गौशालाओं का नियमित निरीक्षण किया जाए।

गुडम्बा पुलिस ने नफर वांछित अभियुक्त मो . आसिफ को गिरफ्तार किया

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ, जोन-पूर्वी के थाना गुडम्बा ने मो. आसिफ (27 वर्ष), पुत्र स्व. शाकीर अली, निवासी विवेकानंद पुरम कल्याणपुर पश्चिम, को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त को KGMU ट्रामा सेंटर से उपचार के बाद गिरफ्तार किया गया और उसके खिलाफ अग्रिम विधिक कार्यवाही जारी है। यह गिरफ्तारी 16 सितंबर 2025 को विवेकानंद पुरम में दो पक्षों के बीच हुई फायरिंग की घटना के संबंध में हुई है। इस घटना में प्रथम पक्ष के आसिफ गाजी और द्वितीय पक्ष के आसिफ अली घायल हो गए थे। विवाद रूपये के लेन-देन के कारण हुआ था। घटना के बाद प्रथम पक्ष के वादी यासीन पुत्र स्व. शाकीर अली और द्वितीय पक्ष के वादी आरिफ अली द्वारा थाना गुडम्बा में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमे पंजीकृत कराए गए थे।गिरफ्तार किए गए मो. आसिफ पर आरोप है कि उसने वादी मुकदमा के भाई को जान से मारने की नियत से अपने पिस्टल से फायरिंग की थी, जिससे वादी का भाई घायल हो गया। आरोपी के खिलाफ मुकदमा संख्या 383/ 2025, धारा 109(1)/ 125/3(5) BNS, थाना गुडम्बा लखनऊ के तहत कार्यवाही चल रही है।थाना गुडम्बा की पुलिस टीम, जिसमें SHO प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव, उ0नि0 अर्पित गुप्ता, उ0नि0 कृपा राम यादव, का0 रितेश यादव और का0 भारत शामिल थे, ने इस गिरफ्तारी में सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिस ने कहा कि आरोपी के खिलाफ सभी कानूनी प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

20 वर्षों में बिहार ने बुना ग्रामीण सड़कों का मजबूत नेटवर्क

ग्रामीण सड़कें सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलता है। पिछले 20 वर्षों में बिहार ने ग्रामीण सड़कों के निर्माण में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिससे न केवल राज्य के सुदूर गांवों से शहरों की दूरी कम हुई है, बल्कि ग्रामीण सड़कों ने गांव से गांवों की दूरी भी मिटा दी है। पिछले 20 वर्षों में राज्यभर में कुल एक लाख, 19 हजार किलोमीटर से भी अधिक सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया गया है।विगत दो दशकों में राज्य में कुल ग्रामीण सड़कों का नेटवर्क 8,000 कि.मी. से बढ़कर 1,19,000 कि.मी. से भी अधिक हो गया है। ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा पिछले 20 वर्षों में 2,560 पुलों का भी निर्माण कराया है। जो राज्य की 1 लाख, 20 हजार से भी अधिक ग्रामीण बसावटों को बारहमासी सड़क संपर्कता उपलब्ध करा रही हैं। जिससे राज्य के ग्रामीण इलाकों अब हर मौसम में यातायात व्यवस्था को सुगमता प्रदान हुई है। इस 'सड़क क्रांति' ने राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ ग्रामीण संपर्क में भी सुधार किया है। जिससे बिहार की ग्रामीण आबादी को शिक्षा, स्वास्थ्य और अपने रोजगार तक पहुंचने का एक सुगम मार्ग भी उपलब्ध कराया जा सका है। ग्रामीण कार्य विभाग के अनुसार ग्रामीण पथ अनुरक्षण नीति-2018 के तहत राज्यभर में कुल 36,894 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का अनुरक्षण भी सफलतापूर्वक किया गया है। विभाग के अनुसार फिलहाल राज्य में 12,500 ग्रामीण सड़कों के निर्माण का काम प्रगति पर है। साथ ही, 1,791 ग्रामीण पुलों के निर्माणकार्य को भी तेजी से पूरा किया जा रहा है।

बिहार के ग्रामीण इलाकों में सड़कों का यह जाल, ग्रामीण आबादी को यातायात के सुगम साधन से जोड़ रहा है तथा गांवों के उद्योगों को भी शहरों के बाजार से जोड़ रहा है। आज सड़कों के नेटवर्क से किसानों को उनके उत्पाद का सही मूल्य मिलने लगा है। इन अभूतपूर्व बदलाव से राज्य में प्रति व्यक्ति आय में 700 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि बिहार में गांवों के बारहमासी सड़कों से जुड़ने की वजह से सम्भव हो पाया है। इन सड़कों के निर्माण का सकारात्मक परिणाम यह भी है कि राज्य में नये उद्योगों की स्थापना, पयर्टन स्थलों पर पर्यटकों के आने की संख्या में लगातार वृद्धि के साथ-साथ व्यापार को भी बढ़ावा मिला है।

Aबिहार का सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए या मारे गए लोगों को मुआवजा देने में देश में पहला स्थान है। मोटर दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा देने की योजना के अंतर्गत गंभीर चोट लगने पर 50 हजार और मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये देने का प्रावधान है। इसके तहत जनरल इंश्योरेंस काउंसिल (जीआईसी) के पास हिट एंड रन से जुड़े 9 हजार 80 मामले अंतिम अनुमति के लिए भेजे गए हैं, ताकि इन्हें मुआवजा दिलाया जा सके। इसमें अब तक 5 हजार 830 मामलों में पीड़ितों को मुआवजा दिया गया है। यह जानकारी एडीजी (ट्रैफिक) सुधांशु कुमार ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। एडीजी ने कहा कि पिछले डेढ़ से दो साल में 1626 मामलों में 84 करोड़ 19 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है। सड़क दुर्घटना से जुड़े मामलों का समय पर निपटारा करने के लिए 10 जिलों पटना, सारण, पूर्णिया, गयाजी, डेहरी, सहरसा, मुंगेर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर और भागलपुर में एमएसीटी (मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण) का गठन किया गया है। इसमें 6 महीने, 9 महीने और अधिकतम 12 महीने में मामलों का निपटारा पूरा करने का प्रावधान किया गया है।

BRICS की सदस्यता के लिए आवेदन करने के बाद Palestine बोला- भारत के दरवाजे हमारे लिये 24 घंटे खुले रहते हैं

BRICS, जो मूलतः ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ़्रीका की सदस्यता के साथ शुरू हुआ था, वह हाल के वर्षों में तेज़ी से विस्तारित हुआ है। वर्ष 2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात इस मंच से जुड़े, वहीं 2025 में इंडोनेशिया इसका हिस्सा बना।

नीरज कुमार दुबे

एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के तहत फ़िलस्तीन ने BRICS समूह में सदस्यता के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। यह कदम उस समय सामने आया है जब लगातार कई देश फ़िलस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता प्रदान कर रहे हैं। रूस में फ़िलस्तीन के राजदूत अब्देल हाफ़िज़ नोफ़ल ने पुष्टि की है कि आवेदन दायर किया जा चुका है और अब उत्तर की प्रतीक्षा की जा रही है। उनका कहना है कि जब तक परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं होतीं, फ़िलस्तीन अतिथि सदस्य के रूप में भागीदारी कर सकता है।

हम आपको बता दें कि BRICS, जो मूलतः ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ़्रीका की सदस्यता के साथ शुरू हुआ था, वह हाल के वर्षों में तेज़ी से विस्तारित हुआ है। वर्ष 2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात इस मंच से जुड़े, वहीं 2025 में इंडोनेशिया इसका हिस्सा बना। चीन ने इस विस्तार का स्वागत करते हुए संकेत दिया है कि ₹समान विचारधारा वाले साझेदार₹ BRICS के लिए उपयुक्त हैं। बीजिंग का स्पष्ट संदेश है कि यह संगठन ग्लोबल साउथ के देशों को सशक्त आवाज़ देने और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था स्थापित करने का मंच बन चुका है।

देखा जाये तो फ़िलस्तीन की इस पहल का समय बेहद महत्वपूर्ण है। एक ओर पश्चिमी देशों की स्थिति वर्षों से इज़राइल-समर्थक रही है, वहीं हाल के सप्ताहों में कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, पुर्तगाल और ब्रिटेन जैसे देशों ने फ़िलस्तीन को औपचारिक मान्यता प्रदान कर दी है। यह इस बात का संकेत है कि पश्चिमी राजनीतिक परिदृश्य में भी बदलाव आ रहा है। फ़िलस्तीन यदि BRICS से जुड़ता है तो यह न केवल प्रतीकात्मक होगा बल्कि उसकी कूटनीतिक स्थिति को भी मज़बूती देगा।

हम आपको बता दें कि भारत ने ऐतिहासिक रूप से फ़िलस्तीन के आत्मनिर्णय और स्वतंत्र राष्ट्र की आकांक्षा का समर्थन किया है। महात्मा गांधी से लेकर जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी तक की नीतियों में फ़िलस्तीन के प्रति सहानुभूति और समर्थन स्पष्ट रहा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में भी फ़िलस्तीन के पक्ष में मतदान किया है और उसकी विकासात्मक सहायता में योगदान दिया है। हालांकि, पिछले दो दशकों में भारत-इज़राइल संबंधों में उल्लेखनीय निकटता आई है। रक्षा, प्रौद्योगिकी और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग ने नई दिशा दी है। इसके बावजूद भारत ने संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखा है— एक ओर इज़राइल के साथ रणनीतिक साझेदारी, दूसरी ओर फ़िलस्तीन के राष्ट्र की मान्यता और सहायता।

हम आपको बता दें कि BRICS का उद्देश्य वैश्विक वित्तीय व राजनीतिक संस्थाओं में सुधार लाना और विकासशील देशों को मज़बूत आवाज़ देना है। यदि फ़िलस्तीन इस संगठन का हिस्सा बनता है तो भारत के सामने संतुलन साधने की चुनौती होगी। एक ओर भारत को ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं और ऐतिहासिक रुख का समर्थन करना होगा, वहीं दूसरी ओर इज़राइल के साथ उसके घनिष्ठ संबंधों को भी ध्यान में रखना पड़ेगा। भारत के लिए यह अवसर भी है कि वह मध्य-पूर्व में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने वाला मध्यस्थ बनकर उभरे। भारत ₹रणनीतिक स्वायत्तता₹ की अपनी नीति के तहत यह साबित कर सकता है कि वह पश्चिम और पूर्व के बीच संतुलन साधने में सक्षम है। देखा जाये तो फ़िलस्तीन का BRICS में आवेदन केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक नए वैश्विक समीकरण का संकेत है। BRICS अब केवल आर्थिक सहयोग का मंच नहीं रहा, बल्कि यह विश्व राजनीति में शक्ति संतुलन का प्रतीक बन चुका है। भारत के लिए यह समय है कि वह फ़िलस्तीन की आकांक्षाओं का समर्थन करते हुए शांति, न्याय और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के अपने संकल्प को मज़बूती से रेखांकित करे।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत और फ़िलस्तीन के बीच संबंध ऐतिहासिक रूप से भावनात्मक और कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहे हैं। भारत में फ़िलिस्तीनी राजदूत के बयान ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि नई दिल्ली और रामल्लाह के बीच संबंध विश्वास और सहयोग की मज़बूत नींव पर टिके हुए हैं। फिलस्तीनी राजदूत ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत फ़िलिस्तीनी जनता के लिए ठोस और महत्त्वपूर्ण काम कर रहा है। उन्होंने कहा है कि भारत फिलिस्तीन में कई विकास परियोजनाओं में कार्यरत है, जिनमें एक मिलियन डॉलर का अस्पताल भी शामिल है। इसके अलावा भारत संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएनआरडब्ल्यूए (UNRWA) का भी समर्थन करता है, जो फ़िलिस्तीनी शरणार्थियों की देखभाल करती है।

फ़िलिस्तीनी राजदूत ने भारत के प्रति गहरी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि यदि कभी किसी मुद्दे पर चर्चा की आवश्यकता होती है, तो भारतीय विदेश मंत्रालय "24 घंटे खुला रहता है।" यह बयान केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि गहरे भरोसे और सहयोग की गवाही है। जब उनसे पूछा गया कि भारत के अन्य देशों, विशेषकर इज़राइल के साथ बढ़ते संबंधों का क्या असर फ़िलिस्तीन पर पड़ता है, तो उन्होंने स्पष्ट कहा— "हम भारत को वृहद स्तर पर देखते हैं।" संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद, महासभा, मानवाधिकार परिषद और ज़मीन पर लागू की जा रही परियोजनाओं में भारत की सक्रियता, भारत-फ़िलिस्तीन संबंधों का वास्तविक पैमाना है।

इस बयान से यह साफ़ है कि फ़िलिस्तीन भारत की नीति में कोई विचलन नहीं मानता। राजदूत ने स्वीकार किया कि भारत अपने द्विपक्षीय संबंध किसी भी देश के साथ बनाए रख सकता है और फ़िलिस्तीन इसमें हस्तक्षेप नहीं करता। हम आपको बता दें कि भारत ने हमेशा फ़िलिस्तीन के आत्मनिर्णय और राष्ट्र निर्माण के अधिकार का समर्थन किया है। फ़िलिस्तीनी राजदूत के शब्द इस नीति की सफलता को दर्शाते हैं। भारत ने एक तरफ़ फ़िलिस्तीन को आर्थिक और मानवीय सहायता दी है, तो दूसरी तरफ़ पश्चिम एशिया में अपने रणनीतिक हितों का भी ध्यान रखा है।

बहरहाल, फ़िलिस्तीनी राजदूत का यह बयान भारत की कूटनीतिक साख को और मज़बूती देता है। यह दर्शाता है कि नई दिल्ली को मध्य-पूर्व में एक विश्वसनीय साझेदार माना जाता है। भारत के लिए यह अवसर है कि वह न केवल विकास परियोजनाओं के माध्यम से बल्कि शांति स्थापना और संवाद की प्रक्रिया में भी केंद्रीय भूमिका निभाए। भारत-फ़िलिस्तीन संबंध इस बात का उदाहरण हैं कि वैश्विक राजनीति में संतुलन और पारदर्शिता से दीर्घकालिक विश्वास कायम किया जा सकता है।

अजब-गजब

रेलवे काउंटर पर टिकट खरीदने पहुंचा शख्स, तभी लेडी क्लर्क ने किया ऐसा काम, यात्री के पैरों तले खिसक गई जमीन

भारतीय रेल प्रतिदिन हज़ारों लोगों के लिए सुगम और सुरक्षित यात्रा का एक अभिनव साधन बनी हुई है। इस विशाल रेल मार्ग पर होने वाली कई घटनाएं अक्सर सोशल मीडिया पर सामने आती रहती हैं। हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ, जो पोस्ट होते ही जंगल की आग की तरह फैल गया। इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर विवाद का तूफ़ान खड़ा कर दिया है। इस वीडियो में ऐसा क्या दिखा, जिसने खूब हंगामा मचा दिया... यह जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। आपको अपनी आंखों पर यकीन नहीं होगा!

दरअसल यह वीडियो उत्तर प्रदेश के देवरिया रेलवे स्टेशन का है। यहां एक यात्री टिकट खरीदने के लिए टिकट काउंटर पर धमाकेदार तरीके से पहुंचा, लेकिन तभी टिकट काउंटर पर एक ऐसी घटना घटी जिसने यात्री को सदमे में डाल दिया।

इस घटना के बाद यात्री और एक महिला रेलवे कर्मचारी के बीच तीखी बहस हो गई। यात्री द्वारा बनाया गया यह वीडियो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो क्लिप में, यात्री काउंटर पर टिकट क्लर्क से कम रिफंड मिलने की शिकायत करता दिख रहा है।

यात्री को महिला टिकट काउंटर क्लर्क का वीडियो बनाते हुए देखा गया, जिसमें उसने आरोप लगाया कि उसने क्लर्क को 500 रुपये का नोट दिया था और बदले में उसे केवल 320 रुपये मिले। उसे 420 रुपये मिलने थे, लेकिन दावे के मुताबिक, क्लर्क ने केवल 320 रुपये लौटाए और कहा कि उसने 420 रुपये दिए थे। काउंटर के बाहर से ही उसने महिला से तीखी बहस शुरू कर दी, लेकिन महिला ने कोई जवाब देने से इनकार कर दिया।

लगभग 37 सेकंड लंबी इस क्लिप में वह व्यक्ति यह भी बताता है कि एक अन्य यात्री ने महिला को टिकट के लिए पैसे दिए थे और उसे 100 रुपये की जगह केवल 50 रुपये ही वापस मिले।

दूसरी ओर, महिला क्लर्क को अन्य यात्रियों और सहकर्मियों से बहस करते हुए सुना जा सकता है। वीडियो में, यात्री महिला के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की धमकी देता है। पुरुष सीधे तौर पर महिला क्लर्क पर कम पैसे वापस करने का आरोप लगाता है।

इतना ही नहीं, यात्री ने पूरी घटना का वीडियो भी बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। यह वीडियो इंटरनेट पर तेज़ी से वायरल हो रहा है। इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करते हुए उस व्यक्ति ने कैप्शन में दावा किया कि टिकट काउंटर का कर्मचारी महिला यात्रियों के साथ इस तरह से धोखाधड़ी कर रहा है। उसने यह भी कहा कि अगर वे विरोध करती हैं, तो उन्हें काउंटर से बाहर निकाल दिया जाता है।

भारतीय रेलवे ने अभी तक इस घटना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। न्यूज़18 हिन्दी भी इस मामले की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। हालांकि, इस घटना ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। यह वीडियो 20 सितंबर को, @yabhishek0 नाम के एक यूजर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने लिखा था, 'यह घटना आज सुबह देवरिया स्टेशन पर हुई। क्या हर यात्री के साथ ऐसा ही धोखा होना चाहिए? और अगर वे विरोध करते हैं, तो यह महिला उन्हें काउंटर से हटा देती है। ऐसे कर्मचारी, थोड़े से पैसे चुराने के लिए, समाज की छवि खराब कर रहे हैं।'

ब्लॉग

टाइगर ऑफ स्काई की गौरवपूर्ण विदाई

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मिग-21 सुपर सोनिक फाइटर विमान का निर्माण सोवियत रुस द्वारा 1950 के दशक के दौरान आरंभ किया और मिग की पहली उड़ान 1955 में हुई। 1962 के युद्ध के अनुभवों के कारण भारत को अपनी वायुसेना को मजबूत बनाने की आवश्यकता महसूस हुई।

चण्डीगढ़ के एयरबेस से मिग-21 की आखरी उड़ान के साथ मिग की विदाई केवल एक सुपरसोनिक फाइटर की विदाई नहीं है अपितु भारतीय वायु सेना के फाइटर बेडे से मिग की गौरवशाली अतीत की विदाई है। अपनी गति, शक्ति और मारक क्षमता के कारण नाम से ही दुश्मनों में दहसत बनाने वाले मिग-21 अपनी यात्रा के 62 वर्ष पूरे कर विदा हो रहा है। 1962 के युद्ध के कटु अनुभवों के बाद भारत ने अन्य विकल्प होते हुए भी सोवियत रुस के मिग-21 को प्राथमिकता दी। 1963 में चण्डीगढ़ में ही मिग ने भारतीय वायु सेना में प्रवेश किया और 26 सितंबर, 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व सेनाप्रमुखों के बीच औपचारिक विदाई ली है। स्क्वाड्रनलीडर प्रिया सिंह ने अंतिम उड़ान भर कर मिग-21 को शानदार-यादगार विदाई दी। मिग-21 का 1965, 1971, करगिल, बालाकोट और ऑपरेशन सिन्दूर तक गौरवशाली इतिहास रहा है। हालांकि मिग-21 के उड़ान के दौरान हुई दुर्घटनाओं ने इसे उड़ता ताबूत ही नहीं विडो मेकर तक कहा जाने लगा। दरअसल पाकिस्तान से युद्ध के दौरान अमेरिका के एफ-16 युद्धक विमान को गिरा कर सारी दुनिया को इसने आश्चर्य में ड़ाल दिया था। 1971 में ढ़ाका में गर्वनर हाउस पर बमबारी कर अपनी मारका क्षमता का लोहा मनवा चुका है। भारतीय वायु सेना में 800 से अधिक मिग का बेड़ा रहा है। इनमें से करीब 400 मिग के दुर्घटनाग्रस्त होने और करीब 200 पायलट और 50 नागरिकों की मौत के कारण गति, शक्ति और रफ्तार के बावजूद मिग-21 को उड़ता ताबूत कहा जाने लगा। यह दूसरी बात है कि कुछ दुर्घटनाएं मानवीय भूल के कारण हुई तो कुछ अन्य कारणों से।

मिग-21 सुपर सोनिक फाइटर विमान का निर्माण सोवियत रुस द्वारा 1950 के दशक के दौरान आरंभ किया और मिग की पहली उड़ान 1955 में हुई। 1962 के युद्ध के अनुभवों के कारण भारत को अपनी वायुसेना को मजबूत बनाने की आवश्यकता महसूस हुई। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को एफ-16 विमानों की आपूर्ति के कारण भारत को भी अपनी वायुसेना को वेल इक्विप्ड करने की आवश्यकता महसूस हुई और अमेरिका सहित अन्य देषों के फाइटर विमानों के विकल्प होने के बावजूद भारत ने सोवियत रुस के मिग फाइटर विमान खरीदने को पाथमिकता दी। हालांकि 1965 के युद्ध में मिग का सीमित योगदान रहा पर 1971 के युद्ध की तो भाषा ही मिग फाइटर ने बदल कर रख दी। अमेरिका के एफ-16 विमानों को मारगिराकर मिग विमानों ने ना केवल अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन किया अपितु दुनिया के देशों को दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर कर दिया। हालिया ऑपरेशन सिन्दुर में भी मिग विमानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मिग-21 अपनी उड़ान क्षमता, तेजी से आकाश में उंचाई पर जाने, ध्वनी से भी तेज गति से उड़ाने भरने और निशाने पर निशाना साधनें में सफल रहा है। दुश्मन देश तो मिग के नाम से दहशत खाने लगे थे। मिग-21 छोटे रनवे, कठिन हालातों में भी उड़ान भरने में सक्षम रहा है। अचानक हमले के हालातों में भी यह भरोसेमंद रहा है। सूई की नोक जैसे इस विमान में तापमान की समस्या के बावजूद इस विमान की उड़ान भरने में वायुसेना फाइटर गौरव महसूस करते रहे हैं। 2021 के बालाकोट के दौरान भी इसने अपने शौर्य का प्रदर्शन किया। इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के 60 से अधिक देशों में मिग ने अपने पराक्रम को दिखाया पर मिग के निर्माता सोवियत रुस से ही मिग की विदाई सबसे पहले आरंभ हुई। रशिया ने 1990 से ही मिग की विदाई आरंभ कर दी। चीन, पौलेण्ड, बुल्गारिया, रोमानिया, चेकस्लोवाकिया, क्रोएशिया, हंगरी आदि इसे विदाई दे चुके हैं। हालांकि सीरिया, उत्तर कोरिया औद अफ्रिकी देशों में मिग सेना के हिस्से बने हुए हैं। भारत में मिग का लंबे समय का कार्यकाल रहा है।

फ्लाइंग काफिन जैसे नाम से बदनामी के बावजूद अपग्रेडेड मिग का भारतीय सेना में उपयोग होता रहा। निशाने पर लक्ष्य को साधने में सक्षम होने के बावजूद जिस तरह से इसके क्रेस होने की गति रही है उससे यह बदनामी का भी प्रमुख कारण रहा है। और यही कारण है कि मिग-21 की गौरवपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद अंततोगत्वा 62 साल की लंबी यात्रा के बाद इसे सम्मानपूर्वक विदाई दी गई है। देखा जाएं तो मिग ने भारतीय सेना में अपनी गौरवपूर्ण सेवाएं दी और भारतीय सैनिकों ने युद्ध के दौरान इसका जिस तरह से उपयोग किया वह भारतीय सेना के गौरव को बढ़ाने वाला रहा। यही कारण है कि मिग को गौरवपूर्ण समारोह में विदाई दी गई। जहां से इसकी शुरुआत हुई वहीं से इसको विदाई दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विदाई समारोह में कहा कि भारतीय वायु सेना के इतिहास में मिग की सेवाओं को स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। मिग को भारत और रुस के बीच संबंधों से भी जोड़ के देखा जाता रहा है। खासबात यह कि उड़ता ताबूत कहलाने के बावजूद भारतीय वायु सेना में मिग ने 60 वर्ष से भी अधिक समय तक अपने सामर्थ्य से देश के जरुरत के समय अपेक्षाओं पर खरा उतरा। युद्ध या यौद्धिक गतिविधियों के दौरान मिग गैम चैंजर सिद्ध हुआ है। यही कारण है कि मिग को रिटायरमेंट की गौरवपूर्ण विदाई दी गई। अब भारतीय वायु सेना में स्वदेशी फाइटर तेजस मिग का स्थान लेगा। सुखाई, राफेल और तेजस आदि की उपस्थिति से आज भारत की वायुसेना दुनिया की सबसे सक्षम और ताकतवर सेनाओं में से एक है। भले ही भारतीय वायु सेना के बेडे से मिग की विदाई हो गई है पर 1971 का युद्ध, करगिल, बालकोट, ऑपरेशन सिन्दुर और इसी तरह के अभियानों की चर्चा होगी तो मिग की गौरवपूर्ण सेवाओं को सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

शहर का माहौल बिगाड़ना है... तौकीर रजा को लेकर एफआईआर में बड़ा खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद हुई हिंसा के मामले में दर्ज एफआईआर ने मौलाना तौकीर रजा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। FIR कॉपी के मुताबिक, इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (IMC) के प्रमुख तौकीर रजा को मुख्य आरोपी बताया गया है। एफआईआर में जिक्र है कि तौकीर ने प्रदर्शनकारियों को भड़काने के लिए कहा था, 'आज शहर का माहौल बिगाड़ना है, चाहे इसमें पुलिसवालों की हत्या भी करनी पड़ी और हमें मुस्लिमों की ताकत दिखानी है।'

प्रदर्शन में अपराधियों को बुलाया गया था। वहां भीड़ में से कुछ ने नारे लगाए गुस्ताख नबी की एक सजा सर तन से जुदा जिस से भीड़ उग्र हुई, भीड़ सरकार के खिलाफ भी नारेबाजी कर रही थी। नारे लगाते हुए भीड़ ने कहना शुरू किया कि मौलाना तौकीर रजा ने कहा था कि शहर का माहौल बिगाड़ने के लिए अगर किसी पुलिसवालों की हत्या भी करनी पड़ी और मुस्लिमों की ये ताकत भी दिखानी है।

अवैध हथियारों से जान से मारने के लिए की फायरिंग

एफआईआर के मुताबिक, भीड़ ने पुलिस पर अवैध हथियारों से जान से मारने के मकसद से फायरिंग की। पुलिसवालों के डंडे छीने और हमला किया पुलिसवालों के बैच नोचे गए। कांच की बोतलों से पेट्रोल बम पुलिस पर फेंके गए जिससे कई पुलिसवाले घायल हो गए। पुलिस पर धारदार हथियार से हमला किया गया, जिसमें कई पुलिसवाले घायल हो गए।

FIR में खुलासा हुआ कि बरेली हिंसा सोची समझी साजिश के तहत करवाई गई। आईएमसी प्रमुख तौकीर रजा और आईएमसी के नदीम और आईएमसी के पदाधिकारियों ने सोच समझ कर पहले से प्लान बनाकर साजिश के तहत इसे जानबूझकर अंजाम दिलवाया गया। हिंसा के बाद पुलिस को मौके से बड़े पैमाने पर अवैध हथियार बरामद हुए जिसका इस्तेमाल पुलिस पर हमले के लिए किया गया था।

शुक्रवार को जिले में उस समय तनाव फैल गया जब पुलिस ने 'आई लव मुहम्मद' के प्लेकार्ड्स लिए हुए लोगों को इकट्ठा होने से रोका और भीड़ में से कुछ लोगों द्वारा कथित तौर पर पथराव करने और नारे लगाने पर उन्हें तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया।

डीआईजी ने क्या कहा था?

उप-निरीक्षक महानिरीक्षक (DIG) अजय कुमार साहनी ने कहा कि योजना रजा द्वारा की गई थी और यह पिछले सात दिनों से चल रही थी। रजा के बनाए गए वीडियो, जिसमें लोगों को मैदान में बुलाने का आह्वान किया गया था। उन्होंने कहा कि हिंसा को फैलाने के लिए एक ऑनलाइन टूलकिट का इस्तेमाल किया जा रहा था।

अमर शहीद भगत सिंह जयंती के जयंती पर एनयूजे ने किया याद

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (एनयूजे) प्रयागराज जिला इकाई ने भारत माता के वीर सपूत, आज़ादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीद भगत सिंह की जयंती पर रविवार को डायट सभागार, सिविल लाइंस में एक भव्य समारोह का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमरेन्द्र नाथ सिंह पूर्व अध्यक्ष हाईकोर्ट बार एवं पूर्व चेयरमैन बार काउंसिल, उ.प्र. रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनील शुक्ला, उप निदेशक, दूरदर्शन ने की। विशिष्ट अतिथियों में हरि प्रसाद यादव शिक्षक नेता एवं राजीव मिश्रा वरिष्ठ समाजसेवक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं के रूप में कुन्दन श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष, पवन दिवेदी जिला संरक्षक, परवेज आलम जिला संरक्षक रहे और संचालन का दायित्व उमेश श्रीवास्तव वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने निभाया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि भगत सिंह का बलिदान केवल स्वतंत्रता संग्राम की गाथा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। हमें उनके सपनों के भारत के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए। मुख्य अतिथि समेत सभी ने अमर शहीद भगत सिंह के तस्वीर पुष्पांजली अर्पित की। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि अमरेन्द्र नाथ सिंह पूर्व अध्यक्ष हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने कहा भगत सिंह को नमन करता हूं। शहीदो के कारण ही हम आजाद हुए और हमे बोलने की आजादी मिली। श्री सिंह ने कहा मिडिया आजादी के पहले आधारशिला थी आजादी के स्थापित लोकतंत्र के आधारशिला है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सुनील शुक्ला पूर्व उपनिदेश दूरदर्शन ने अपने अध्यक्षीय भाषण देते हुए अमर शहीद भगत सिंह के देश के प्रति त्याग और बलिदान पर विस्तृत चर्चा की।

उन्हौने कहा कि भगत सिंह का सिद्धान्त सम्राजवादी ब्यवस्था तथा साम्प्रदायिक ब्यवस्था के खिलाफ सदैव लडे । एनयूजे प्रयागराज दूारा अमर शहीद भगत सिंह की जयंती का का आयोजन मिल का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता हरि प्रकाश यादव शिक्षक नेता ने कहां कि भगतसिंह जी देशभक्ति से हमे सिखना चाहिए। समाजस्रेवी राजीव मिश्रा ने कहाँ कि एनयूजे प्रयागराज द्वारा महान देशभक्त अमर शहीद भगत सिंह की जयंती का आयोजन सराहनीय कदम है। एनयूजे जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने भारत सरकार से मांग किया की हुसैनी वाला स्थित अमर शहीद भगत सिंह सुखदेव तथा राजगुरू के समाधि को राष्टीय स्मारक घोषित करें तथा इन शहीदो को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करे। संगठन के संरक्षक पवन दिवेदी ने कहा कि आज का युवा आजादी के आन्दोलन के बिषय मे जानता नही है। संरक्षक परवेज आलम ने कहा कि आज युवाओं कै यह जानना आवश्यक है कि आजादी के लिए हमने कितनी शहादतें दी है।

इस जयती कार्यक्रम मे पवन दिवेदी, परवेज आलम, कुन्दन श्रीवास्तव, उमेश श्रीवास्तव, अखिलेश शुक्ला, गिरीश पांडेय, चित्रांशी यादव, धर्मेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, बीरेद्रं कुमार श्रीवास्तव, आयुष श्रीवास्तव, डाँ सुधाकर पान्डेय, मधुर दरबारी, बी के यादव, राम बाबू, मो शकील खान, जितेद्रं कुमार सिंह, आनन्द श्रीवास्तव, असद कुरैशी, रंजीत निषाद, इरफान खान, शिव पान्डेय, डालचन्द्र पान्डेय, मनोज कुमार, गौरव त्रिपाठी, अनिरूद त्रिपाठी आदि उपस्थित थे।

मिशन शक्ति का उद्देश्य समाज को जागरूक करना है : कृतिका शुक्ला

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। मिशन शक्ति अभियान के पांचवे चरण के तहत सोमवार को बृजबिहारी सहाय इंटर कालेज (बीबीएस) शिवकुटी में छात्राओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसीपी सिविल लाइंस कृतिका शुक्ला की अगुवाई में शिवकुटी थाने की पुलिस एवं एंटी रोमियो टीम ने छात्राओं को जागरूक किया।

महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा और साइबर अपराध जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से जानकारी दी गई। एंटी रोमियो टीम ने छात्राओं को बताया कि किसी भी तरह की छेड़छाड़, उत्पीड़न या असुरक्षा की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1060, यूपी 112, 1090, 1930 व 1098 पर संपर्क करें। टीम ने सोशल मीडिया पर सतर्क रहने, अनजान लोगों से बातचीत में सावधानी बरतने और परिजनों व शिक्षकों से खुलकर अपनी समस्या साझा करने पर विशेष जोर दिया। इस दौरान छात्राओं को आत्मरक्षा के आसान टिप्स भी सिखाए गए ताकि वे आपात स्थिति में खुद को सुरक्षित रख सकें। एसीपी सिविल लाइंस कृतिका शुक्ला ने कहा कि मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा का एहसास दिलाना और समाज को जागरूक करना है। छात्राओं को आपात स्थित में बिना भय या संकोच के पुलिस की मदद लेनी चाहिए। इस दौरान कालेज की प्रधानाचार्य, शिक्षक, शिक्षिकाएं, छात्राएं पुलिस टीम में शिवकुटी थाना प्रभारी रूकुमपाल सिंह, एएसआई कृष्ण मोहन पासवान, एसआई विजय पाण्डेय, एसआई अजीत कुमार वर्मा, मुख्य आरक्षी विनय राय, सूरज पाल आदि मौजूद रहे।

'कर्ज चुकाना था, मौज-मस्ती भी करनी थी...'

ऑनलाइन गेम में हारा 5 लाख तो बनाई अपने ही अपहरण की मनगढ़ंत कहानी, ऐसे खुला भेद

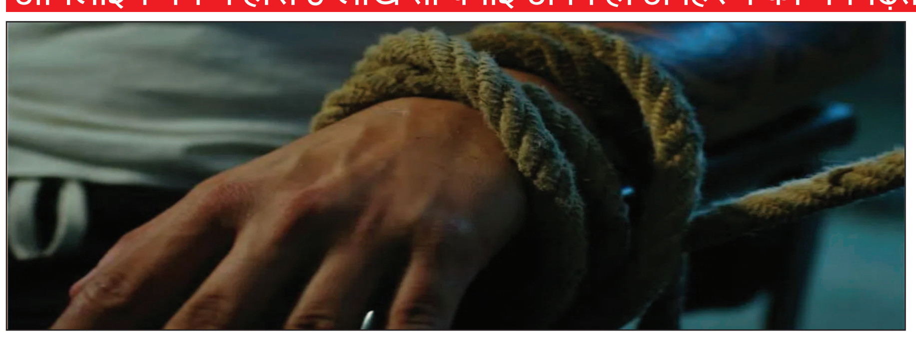

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। ऑनलाइन गेमिंग का चस्का अच्छा नहीं होता। गेमिंग तो शौकिया तौर पर शुरू होती है, मगर इसकी लत लगते भी देर नहीं लगती। कभी कभार तो ऑनलाइन गेमिंग का चस्का आपकी जिंदगी तक बर्बाद कर देता है। ठीक ऐसा ही एक मामला सामने आया है उत्तर प्रदेश के नोएडा से। यहां एक युवक ऑनलाइन गेम में पांच लाख रुपये हार गया। ये रकम उसने कर्ज पर ली थी। अब कर्ज कैसे चुकाएं, इसके लिए उसने एक शातिर प्लान बनाया। जिसे जानकर आप भी दंग रह जाएंगे।

कर्ज में डूबे युवक ने पहले तो अपनी ही किडनैपिंग की झूठी कहानी बनाई। फिर अपने ही परिवार से 20 लाख की फिरौती मांगी। मगर युवक की सारी चालाकी धरी की धरी रह गई और उसके झूठ का भंडाफोड़ हो गया। पुलिस ने युवक को हिमाचल प्रदेश के सोलन से ढूंढ निकाला। फिर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि उसने कर्ज चुकाने और मौज-मस्ती करने के लिए यह योजना बनाई थी। जानकारी के मुताबिक, पहले आशाराम नामक युवक कासगंज से अपने जीजा के घर नोएडा आया। फिर वहां से कहीं चला गया। 21 सितंबर को उसने खुद ही अपने अपहरण की कहानी रची थी। घर वालों से फिरौती मांगकर वो हिमाचल चला गया। यहां वो पहले नौकरी किया करता था। युवक के परिजनों ने फेज दो थाना पुलिस के पास जाकर मामला दर्ज करवाया। फिर पुलिस ने सोलन से युवक को सकुशल बरामद कर जेल भेज दिया। उससे पांच एटीएम, एक आधार कार्ड और एक मोबाइल मिला।

जीजा ने भेज दिए पांच हजार रुपये

जीजा शिवम ने बताया- मुझे WhatsApp पर एक फोटो और मैसेज भेजा गया था। इसमें आशाराम के हाथ-पैर बंधे और मुंह पर रूमाल बंधा था। साथ ही 20 लाख रुपये देने की मांग थी। मैंने डरकर पांच हजार रुपये भेज दिए। मगर बार में मैंने पुलिस को भी बता दिया।

बिल्डिंग के बैकग्राउंस से खुला राज

पुलिस ने जांच की तो आशाराम की लोकेशन हिमाचल प्रदेश के सोलन की मिली। पुलिस भी सोलन के बद्दी पहुंची। वहां आशाराम की फोटो से उसके बारे में पता लगाने की कोशिश की जाने लगी। फोटो में जो बिल्डिंग दिख रही थी, स्थानीय लोग पुलिस को लेकर वहां पहुंचे। यह 40 कमरों की एक बिल्डिंग थी। पुलिस ने फिर वहीं से आशाराम को सही सलामत ढूंढ निकाला। तब आशाराम ने उनके सामने सारा राज उगल दिया।

यूपी का अनोखा स्कूल, दो साल से नहीं है एक भी टीचर, कोर्ट ने सरकार से पूछा- ऐसा क्यों है?

आर्यावर्त संवाददाता

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले के जूनियर हाईस्कूल में दो साल से एक भी टीचर नहीं है। इसको लेकर दाखिल जनहित याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के तहत 6-14 साल के बच्चों को निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध होना मौलिक अधिकार है। इसके बावजूद रैपुरा गांव के जूनियर हाईस्कूल में दो साल से एक भी अध्यापक नहीं है।

मामले में रैपुरा गांव के रहने वाले राहुल सिंह पटेल ने जनहित याचिका दायर की है। याचिका में बताया गया कि मानिकपुर तहसील के रैपुरा गांव में सरदार वल्लभभाई पटेल जूनियर हाईस्कूल विद्यालय राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त एडेड है। इस स्कूल में शिक्षक के नौ पद हैं, लेकिन पिछले दो साल से यहां एक भी शिक्षक नहीं हैं। इस याचिका कि सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की खंडपीठ ने प्रदेश सरकार से 27 अक्टूबर तक जवाब मांगा है।

चपरासी के भरोसे चल रहा स्कूल

स्कूल में शैक्षिक सत्र 2025-26 में के दौरान कक्षा 6 में 35, कक्षा 7 में 46 और कक्षा 8 में 65 बच्चों का दाखिला हुआ है। स्कूल में कुल 141 बच्चे पढ़ रहे हैं। विद्यालय में 3 चपरासी के पद हैं, जिनमें से 2 खाली हैं। सिर्फ रामभवन नाम का एक चपरासी कार्यरत है, उसी के भरोसे स्कूल चल रहा है।

कोर्ट ने मांगा जवाब

याचिका में कहा गया है कि 11 अगस्त 2025 को चित्रकूट के डीएम और बेसिक शिक्षा अधिकारी को इस मामले में ज्ञापन सौपा गया था। इसके बाद आईजीआरएस (इंटीग्रेटेड ग्रिवांस रिड्रेसल सिस्टम) पर भी शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जब कहीं सुनवाई नहीं हुई तो लोगों ने अधिवक्ता जगदीश सिंह बुंदेला के माध्यम से हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। मामले को लेकर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए 27 अक्टूबर तक जवाब मांगा है।

अयोध्या प्रीमियर लीग कराटे प्रतियोगिता मे संभव प्रताप सिंह ने जीता स्वर्ण

प्रयागराज। अयोध्या प्रीमियम लीग कराटे प्रतियोगिता का आयोजन डॉ भीमराव स्टेडियम अयोध्या में आयोजित हुआ। जिसमें संभव प्रताप सिंह, हर्षित सोनकर और देवासी कुशवाहा ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में गरिमा यादव, आरोही मिश्रा, महिमा यादव, अभिषेक रुद्रा, मानव सोनकर, शिवम, रणवीर आर्या ,साक्षी सिंह, शाश्वत शर्मा, गौरव यादव और जीत कुमार ने सिल्वर मेडल ब्रांच मेडल प्राप्त किया। इन सभी खिलाड़ियों ने कराटे एसोसिएशन कौशांबी की तरफ से प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया था। इस प्रतियोगिता में जानवी शर्मा मुख्य रेफरी की भूमिका निभाई। जानवी शर्मा नेशनल लेवल की कई प्रतियोगिता प्रतिभाग कर चुके हैं। कराटे एसोसिएशन कौशांबी के पदाधिकारी एवं अध्यक्ष रानी शर्मा तथा सचिव अतुल सोनकर, उपाध्यक्ष नरेंद्र केसरवानी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दिया।

5000 का लालच, पंक्चर बनाने वाले का खाता खुलवाकर किया 53 लाख का ट्रांजैक्शन

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में गाड़ियों का पंचर बनाने वाले का खाता खुलवाकर उसके अकाउंट से 53 लाख रुपए का ट्रांजैक्शन कर लिया गया। मामले में मेडिकल स्टोर के संचालक ने पीड़ित को पैसों का लालच देकर उसके और उसकी पत्नी के नाम खाता खुलवाया। इसके बाद सत्यापन के नाम पर उसका डेबिट कार्ड और पासवर्ड अपने पास रख लिया। पुलिस ने पीड़ित के निशानदेही पर मेडिकल स्टोर संचालक को गिरफ्तार कर लिया है।

मामला कानपुर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र का है। यहां कश्यप नगर के रहने वाले धर्मेंद्र कुशवाहा ने मेडिकल स्टोर संचालक पर आरोप लगाया है कि उसने पैसों का लालच और कई सरकारी लाभ बता कर सरकारी बैंक में धर्मेंद्र और पत्नी का खाता खुलवाया। इसके लिए मेडिकल स्टोर संचालक में उसको ₹5000 का लालच दिया। इसके बाद कुछ युवकों ने अपने आप को बैंक कर्मी बताते हुए सत्यापन के नाम पर उसका डेबिट कार्ड और पासवर्ड उससे ले लिया।

दो अकाउंट से 53 लाख का ट्रांजैक्शन

इसके बाद उनके मोबाइल पर मैसेज आया कि उसके खाते में 37 लाख रुपए और पत्नी के खाते में 16 लाख रुपए आए हैं। फिर कुछ देर बाद खाते से पैसों को निकाल लिया गया। इसकी जानकारी उन्हें मोबाइल फोन के माध्यम से ही हुई। बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर कल्याणपुर पुलिस ने साजिश कर्ता मेडिकल स्टोर संचालक को हिरासत में ले लिया है।

एसीपी ने क्या कहा?

एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार क्या कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। रविवार को बैंक बंद होने के चलते जानकारी नहीं मिल पाई हैं। सोमवार को यानी आज इस मामले में बैंक से अधिक जानकारी कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना में पुलिस आरोपी से भी पूछताछ कर रही है।

मामले में मेडिकल स्टोर संचालक की साली प्रदेश के बाहर एक सरकारी बैंक में कार्यरत है। वही इस जलसाजी की मास्टरमाइंड बताई जा रही है। उसी के कहने पर संचालक में पंचर बनाने वाले व उसकी पत्नी का अकाउंट खुलवाया था। पुलिस को आशंका है कि दोनों खातों का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड से मंगाई गई रकम के लिए किया गया था। इसके लिए पुलिस साइबर एक्सपर्ट टीम की भी सलाह ले रही है।

इस रूट पर 160 की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें, 400 किलोमीटर का रूट तैयार

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। रेलवे जल्द ही कुछ बदलाव करने जा रहा है। इसके मुताबिक, वंदे भारत शताब्दी और राजधानी एक्सप्रेस श्रेणी की ट्रेनों की रफ्तार 160 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार होगी। इन ट्रेनों को दिसंबर या जनवरी से नए स्टॉपेज मिल सकते हैं। पहले चरण में वंदे भारत, शताब्दी और राजधानी एक्सप्रेस श्रेणी की गाड़ियों को तेज रफ्तार में चलाया जाएगा। फिर इस साल के अंत तक आगरा से झांसी के बीच करीब 24 ट्रेनों को 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाने की तैयारी की जा रही है। इसमें वंदे भारत, शताब्दी और राजधानी जैसी प्रीमियम ट्रेनों को शामिल किया गया है।

क्या रूस-यूक्रेन युद्ध में 'फुकुशिमा' चैप्टर होगा शुरू, जानिए एटमी विनाश को लेकर क्यों बढ़ी टेंशन

अभी तक ये ट्रेनें केवल दिल्ली से आगरा के बीच ही 160 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति से दौड़ती हैं, जबकि आगरा से झांसी के बीच इनकी रफ्तार अधिकतम 130 किमी प्रति घंटे तक सीमित है। दिल्ली से झांसी की दूरी 403 किलोमीटर है। वहीं, भोपाल एक्सप्रेस को मथुरा में स्टॉपेज देने की प्रक्रिया को इस दौरान पूरा किए जाने की उम्मीद है। भोपाल रेल मंडल के सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर सौरभ कटारिया ने बताया- जैसे-जैसे ट्रेनों की स्पीड बढ़ती है, रेलवे को मौका मिलता है।

अब 18 मिनट देरी से पहुंचती है वंदे भारत ट्रेन

वर्तमान में 150 वंदे भारत देशभर में फर्राटा भर रही हैं। एक ताजा अध्ययन में यह बात सामने आई है। 2020-21 में वंदे भारत ट्रेन की औसत गति 84.48 किमी प्रति घंटा थी, जोकि 2023-24 में गिरकर 76.25 किलोमीटर प्रति घंटा हो गई है। अध्ययन के मुताबिक, 2024 में राष्ट्रीय समय पालन करने के मामले में वंदे भारत में आठ फीसदी का सुधार हुआ। 2023 में यह ट्रेन औसतन 20 मिनट की देरी से गंतव्य पहुंचती थी, जोकि 2024 में घटकर 18 मिनट रह गई।

शताब्दी 10 तो राजधानी एक्सप्रेस 15 मिनट लेट

सबसे कम विलंब आंकड़ों के अनुसार, 50 फीसदी से अधिक वंदे भारत तय समय से अधिकतम आठ मिनट विलंब से किसी भी बीच के स्टेशन पर पहुंचती है। इसे मीडियन विलंब कहते हैं। यही वजह है कि यात्रियों को इस ट्रेन की गति पर गर्व है। रेलवे की दूसरी प्रीमियम ट्रेन शताब्दी एक्सप्रेस की यह देरी 10 मिनट है, जोकि मात्र दो मिनट अधिक है। वहीं, लंबी दूरी की प्रतिष्ठित राजधानी एक्सप्रेस का यह विलंब 15 मिनट दर्ज किया गया है।

समीक्षा अधिकारी के घर लाखों की चोरी

प्रयागराज। उतरांव क्षेत्र में इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक समीक्षा अधिकारी के घर से रविवार देर शाम करीब 10 लाख रुपए के सोने और चांदी के आभूषण चोरी हो गए। घटना महुआकोठी गांव में हुई, जब परिवार के सदस्य घर के बाहर बैठे थे।

अज्ञात चोरों ने हलील उल्ला खान के घर में घुसकर दो बक्सों के ताले तोड़ दिए। चोरी हुए आभूषणों में बहू सनीहा बानो और पत्नी नगमा बेगम के सोने के हार, अंगूठियां, कंगन, झाले, चेन, माथ बेनी, नथिया और लगभग 500 ग्राम चांदी के गहने शामिल हैं। नगमा बेगम जब घर के अंदर गईं, तो उन्होंने दोनों बक्सों के ताले खुले देखे और शोर मचाया। इसके बाद परिवार के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंचे और पुलिस कंट्रोल रूम को तुरंत सूचना दी गई। उतरांव पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल के बाद वापस चली गई। पीड़ित हलील उल्ला खान ने बताया कि चोर लगभग 8 तोला सोना और 500 ग्राम चांदी ले गए हैं।

त्योहारों पर पुलिस ने पूरे जिले में बढ़ाई सख्ती

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। आगामी त्योहारों और प्रतियोगी परीक्षाओं के मद्देनजर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रयागराज जनपद में धारा 163 लागू कर दी गई है। अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. अजय पाल शर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के तहत कमिश्नरेट प्रयागराज क्षेत्र में निषेधाज्ञा जारी की है। यह आदेश 27 सितंबर से 7 नवंबर 2025 तक प्रभावी रहेगा।

आदेश के अनुसार सांप्रदायिक, जातिगत या धार्मिक उन्माद फैलाने वाले बयान, पोस्टर पम्पलेट या सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक संदेश प्रसारित करना प्रतिबंधित है। बिना अनुमति पांच से अधिक व्यक्तियों के सार्वजनिक सभा या जुलूस पर रोक रहेगी। सार्वजनिक स्थलों पर शस्त्र, विस्फोटक या किसी भी प्रकार के हथियार लेकर चलना भी प्रतिबंधित किया गया है। ध्वनि प्रदूषण और पटाखों को लेकर भी कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। निर्धारित डेसीबल से अधिक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग, डीजे, और खतरनाक रसायनों से बने पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा। अस्पताल, न्यायालय, धार्मिक स्थलों सहित साइलेंस जोन के 100 मीटर दायरे में पटाखे चलाने और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से पटाखों की बिक्री पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा व्यवस्था को लेकर भी पाबंदियां लगाई गई हैं। परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा अवधि में फोटोकॉपी मशीन, स्कैनर आदि का संचालन नहीं होगा। परीक्षार्थियों को मोबाइल, स्मार्ट वॉच, ईयरबड जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण केंद्र में ले जानें की अनुमति नहीं होगी। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक स्थलों पर हर्ष फायरिंग, धार्मिक या राजनीतिक नारेबाजी, जबरन दुकान बंद कराना, नशीले पदार्थों का सेवन, अवैध ड्रोन संचालन और बिना पहचान सत्यापन के होटल/धर्मशाला में ठहरना भी प्रतिबंधित है। आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-223 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अपर पुलिस आयुक्त ने बताया कि यह कदम जनहित और शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

सुबह उठते ही भूलकर भी न करें ये 4 गलतियां, वरना दिनभर महसूस होगा थकान और सुस्ती

अक्सर लोग पूरी नींद लेने के बाद भी दिनभर थकान और कमजोरी महसूस करते हैं। आमतौर पर इसके पीछे हमारी ही सुबह की कुछ आम गलतियां ही होती हैं। आइए इस लेख में ऐसी चार प्रमुख गलतियों के बारे में जानते हैं।

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है कि 7-8 घंटे की पूरी नींद लेने के बाद भी आप सुबह थका हुआ महसूस करते हैं और दिनभर शरीर में सुस्ती बनी रहती है? अगर हां, तो इसका कारण आपकी नींद की कमी नहीं, बल्कि सुबह उठने के तुरंत बाद की गई कुछ आम गलतियां हो सकती हैं। हमारी सुबह की पहली कुछ आदतें यह तय करती हैं कि हमारा पूरा दिन कैसा गुजरेगा, ऊर्जा से भरपूर या थकान से भरा हुआ।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, ज्यादातर लोग अनजाने में सुबह कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जो उनके एनर्जी लेवल को गिरा देती हैं और मेटाबॉलिज्म को भी धीमा कर देती हैं। आइए इस लेख में उन 4 सामान्य गलतियों के बारे में जानते हैं जिनसे आपको आज से ही बचना चाहिए ताकि आप दिनभर तरोताजा और ऊर्जावान महसूस कर सकें।

5 मिनट के आराम की बड़ी कीमत

अलार्म बजते ही उसे बंद करके 'बस 5 मिनट और' सोने का मन करना बहुत आम बात है, लेकिन यह स्नूज बटन आपकी ऊर्जा का सबसे बड़ा दुश्मन है। जब आप स्नूज दबाकर दोबारा हल्की नींद में जाते हैं, तो आपका मस्तिष्क एक नया नींद का चक्र शुरू कर देता है।

कुछ मिनट बाद अलार्म के दोबारा बजने पर यह चक्र बीच में ही टूट जाता है, जिससे आप और भी ज्यादा थका हुआ और चिड़चिड़ा महसूस करते हैं। इसे 'स्लीप इनर्शिया' कहते हैं, जो दिन की शुरुआत ही खराब कर देता है।

उठते ही फोन चेक करना

आज की डिजिटल दुनिया में ज्यादातर लोगों की पहली आदत आंख खुलते ही अपना स्मार्टफोन चेक करने की होती है। यह एक बहुत बड़ी गलती है। सुबह उठते ही फोन चलाने से आपका दिमाग अचानक से नोटिफिकेशन, ईमेल और सोशल मीडिया की सूचनाओं से भर जाता है, जो एक तनावपूर्ण प्रतिक्रिया शुरू कर सकता है। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी भी आंखों पर जोर डालती है और आपके दिमाग के जागने की प्राकृतिक प्रक्रिया को बाधित करती है।

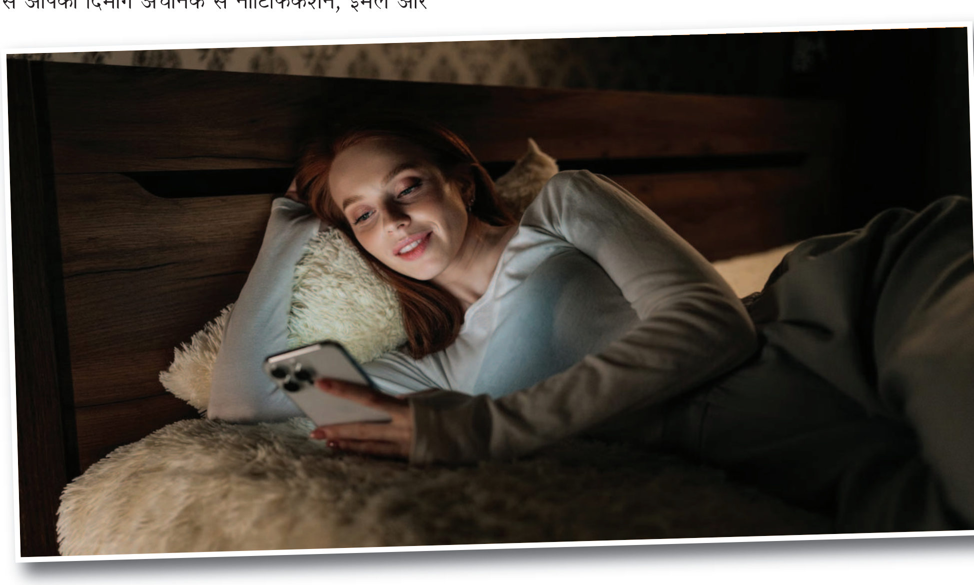

पानी की जगह चाय-कॉफी पीना

रातभर सोने के बाद हमारा शरीर प्राकृतिक रूप से डिहाइड्रेटेड होता है, और डिहाइड्रेशन थकान का एक मुख्य कारण है। सुबह उठते ही सबसे पहले एक-दो गिलास सादा या गुनगुना पानी पीना चाहिए। यह शरीर को फिर से हाइड्रेट करता है, मेटाबॉलिज्म को किक-स्टार्ट करता है और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। पानी पीने के बजाय सीधे चाय या कॉफी पीने से डिहाइड्रेशन और बढ़ सकता है, जिससे कुछ समय बाद आपको और ज्यादा थकान महसूस होती है।

अंधेरे कमरे में ही बने रहना

सुबह उठने के बाद भी कमरे में अंधेरा बनाए रखना और पर्दों को न खोलना आपके शरीर को यह संकेत देता है कि अभी भी सोने का समय है। हमारी बॉडी क्लॉक प्राकृतिक प्रकाश पर बहुत निर्भर करती है। सुबह की धूप शरीर में मेलाटोनिन (नींद का हार्मोन) का उत्पादन बंद करने और हमें जगाने का संकेत देती है। इसलिए उठने के तुरंत बाद कमरे की खिड़कियां और पर्दे खोल दें ताकि आपका शरीर पूरी तरह से जाग सके और आप ऊर्जावान महसूस करें।

त्योहारों के दौरान इन 5 लिपस्टिक शेड का करें चयन, दिखेंगी बेहद आकर्षक

त्योहारों का समय आ गया है और इस दौरान महिलाएं अपने मेकअप पर खास ध्यान देती हैं। लिपस्टिक शेड्स का चयन करना एक अहम कदम है, जो आपके पूरे लुक को बदल सकता है। इस लेख में हम आपको पांच ऐसे लिपस्टिक शेड के बारे में बताएंगे, जो त्योहारों के मौसम में आपको स्टाइलिश और आत्मविश्वास से भरपूर दिखाएंगे। इन शेड का चयन करके आप हर अवसर पर आकर्षक और खास दिख सकती हैं।

रेड लिपस्टिक

रेड लिपस्टिक हमेशा से ही महिलाओं के लिए एक पसंदीदा विकल्प रही है। यह न केवल आपके होंठों को चमकदार बनाती है, बल्कि आपके पूरे चेहरे को भी निखारती है। त्योहारों के समय में रेड लिपस्टिक पहनना एक बेहतरीन विचार हो सकता है क्योंकि यह आपको आत्मविश्वास से भरपूर दिखाएगी और आपके लुक को खास बनाएगी। चाहे आप साड़ी पहन रही हों या सलवार-कमीज, रेड लिपस्टिक हर परिधान के साथ जचेगी।

बेबी पिंक लिपस्टिक

बेबी पिंक लिपस्टिक हमेशा से ही एक प्यारा और नाजुक शेड होता है, जो हर त्वचा की स्टोन पर अच्छा लगता है। यह शेड न केवल आपके होंठों को मुलायम दिखाता है, बल्कि आपके चेहरे पर ताजगी भी लाता है। त्योहारों के समय में बेबी पिंक लिपस्टिक पहनना एक अच्छा विचार हो सकता है क्योंकि यह आपको साफ्ट और आकर्षक दिखाएगी। चाहे आप किसी पारंपरिक पोशाक में हों या आधुनिक लुक में बेबी पिंक लिपस्टिक हर अवसर पर सूट करेगी।

मैरून लिपस्टिक

मैरून लिपस्टिक एक गहरा और आकर्षक शेड होता है, जो आपके होंठों को एक खास लुक देता है। यह शेड खासकर शाम की पार्टियों या समारोहों के लिए बहुत ही उपयुक्त होता है। मैरून लिपस्टिक आपके लुक को खास बनाती है और आपको आत्मविश्वास से भरपूर दिखाती है। इस शेड का चयन करके आप हर अवसर पर आकर्षक और स्टाइलिश दिख सकती हैं। मैरून लिपस्टिक हर प्रकार की पोशाक के साथ जचेगी।

ब्राउन लिपस्टिक

ब्राउन लिपस्टिक एक प्राकृतिक और साफ्ट शेड होता है, जो आपके होंठों को एक मिट्टी जैसा लुक देता है। यह शेड रोजमर्रा के उपयोग के लिए बहुत ही उपयुक्त होता है और आपको प्राकृतिक रूप में सुंदर दिखाता है। ब्राउन शेड की लिपस्टिक आपके लुक को साधारण लेकिन आकर्षक बनाती है। इस शेड का चयन करके आप हर अवसर पर आत्मविश्वास से भरपूर दिख सकती हैं। ब्राउन शेड की लिपस्टिक हर प्रकार की पोशाक के साथ जचेगी।

फूशिया पिंक लिपस्टिक

फूशिया पिंक लिपस्टिक एक चमकीला और जीवंत शेड होता है, जो आपके होंठों को ऊर्जा से भर देता है। यह शेड खासकर बड़े समारोहों या पार्टियों के लिए बहुत ही उपयुक्त होता है। फूशिया पिंक लिपस्टिक आपके लुक को ताजगी भरा बनाती है और आपको आत्मविश्वास से भरपूर दिखाती है। इन सभी शेड्स में से आप अपनी पसंद और अवसर के अनुसार चुन सकती हैं, जिससे आपका त्योहारों का मौसम और भी खास बन जाएगा।

मेकअप फिक्सर खरीदते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, मिलेगा बेहतर परिणाम

मेकअप फिक्सर आपके मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने में मदद करता है। यह चेहरे पर लगे मेकअप को पसीने, नमी और अन्य बाहरी कारकों से बचाता है, जिससे आपका मेकअप पूरे दिन सही दिखता है। इसलिए सही मेकअप फिक्सर का चयन करना महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं कि मेकअप फिक्सर खरीदते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि आपको सही विकल्प मिल सके और आपका मेकअप भी बेहतरीन दिखे।

त्वचा के प्रकार का ध्यान रखें

मेकअप फिक्सर खरीदते समय सबसे पहले अपनी त्वचा के प्रकार पर ध्यान दें। अगर आपकी त्वचा सूखी है तो नमी देने वाले तत्वों वाला फिक्सर चुनें, जो आपकी त्वचा को नमी प्रदान करे। तैलीय त्वचा वालों के लिए ऐसा फिक्सर चुनें जो तेल को नियंत्रित करे और मेकअप को सही बनाए रखे। संवेदनशील त्वचा वालों के लिए ऐसा फिक्सर अच्छा रहेगा जिसमें किसी प्रकार का एस्सेन्स न हो।

फार्मूला जानें

मेकअप फिक्सर के फार्मूला पर ध्यान देना भी जरूरी है। कुछ फिक्सर्स में शराब होती है, जो त्वचा को सूखा सकती है और जलन पैदा कर सकती है, खासकर संवेदनशील त्वचा वालों के लिए इसलिए ऐसे फिक्सर से बचें। इसके बजाय ऐसे फिक्सर चुनें, जिनमें नमी देने वाले और प्राकृतिक तत्व हों। ये त्वचा को नमी प्रदान करते हैं और मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखते हैं, बिना किसी नुकसान के।

स्प्रे या लोशन चुनें

मेकअप फिक्सर स्प्रे या लोशन दोनों रूप में आते हैं। स्प्रे फिक्सर आसानी से उपयोग किया जा सकता है और पूरे चेहरे पर समान रूप से फैलता है, जबकि लोशन को हाथों से लगाना पड़ता है। अगर आप यात्रा करते रहते हैं या जल्दी में होते हैं तो स्प्रे फिक्सर आपके लिए बेहतर रहेगा, वहीं घर पर इस्तेमाल के लिए लोशन फिक्सर अच्छा विकल्प हो सकता है, जिससे आप अपने चेहरे को अच्छे से सेट कर सकें।

ब्रांड की विश्वसनीयता पर दें ध्यान

भरोसेमंद ब्रांड द्वारा बनाए गए मेकअप फिक्सर अधिक गुणवत्ता वाले होते हैं और उनकी गुणवत्ता पर भरोसा किया जा सकता है। लोकल ब्रांड्स कभी-कभी घटिया सामग्री का उपयोग करते हैं, जिससे त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है इसलिए हमेशा अच्छे नामी ब्रांड्स का चयन करें जो अपने उत्पादों में उच्च मानक बनाए रखते हों। इसके अलावा नामी ब्रांड्स के फिक्सर्स में प्राकृतिक तत्वों का उपयोग किया जाता है, जो त्वचा को नमी प्रदान करते हैं।

कीमत पर दें ध्यान

मेकअप फिक्सर की कीमत भी अहम होती है, लेकिन महंगा हमेशा बेहतर नहीं होता इसलिए अपनी जरूरत अनुसार सही विकल्प चुनें। सस्ते और महंगे दोनों प्रकार के फिक्सर्स बाजार में उपलब्ध होते हैं, लेकिन गुणवत्ता अहम होती है। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप अपने लिए सही मेकअप फिक्सर चुन सकते हैं, जो आपकी त्वचा को नमी प्रदान करे, मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखे और जलन रहित हो।

क्या सिर्फ पुरुषों को ही होती है दिल की बीमारी? जानिए हृदय स्वास्थ्य को लेकर फैले कुछ मिथ्स

हाल के अध्ययनों के अनुसार, 20–30 साल की उम्र के युवाओं में हार्ट अटैक के मामले बढ़ रहे हैं। यानी, दिल की बीमारी उम्र से नहीं बल्कि आपके खानपान, आदतों और शरीर की स्थिति से जुड़ी होती है। हृदय रोगों से बचाव के लिए सही जानकारी होना सबसे जरूरी है। आइए हार्ट डिजीज को लेकर फैली कुछ अफवाहों के बारे में जानते हैं।

हृदय रोगों के बढ़ते मामले मौजूदा समय में सेहत के लिए सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं। विशेषतौर पर कम उम्र के लोगों का इसकी चपेट में आना सबसे चिंताजनक है।

हाल के आंकड़े बताते हैं कि 20 से कम उम्र के लोगों में न सिर्फ हृदय रोगों के मामले बढ़ रहे हैं, बल्कि हार्ट अटैक के कारण किशोरों की मौतें भी देखी जा रही हैं। शुक्रवार (26 सितंबर) को ही साझा किए गए सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में मासूमों के दिल की सेहत भी खतरे में है। 5-9 साल के एक तिहाई बच्चे हाई ट्राइग्लिसराइड्स का शिकार पाए गए हैं जो भविष्य में गंभीर हृदय रोगों का खतरा बढ़ाने वाले हो सकते हैं।

आमतौर पर लोग सोचते हैं कि हृदय रोग 50 साल की उम्र के बाद होने वाली बीमारी है, पर आजकल खराब लाइफस्टाइल, जंक फूड्स, तनाव और मोटापे की वजह से युवाओं और यहां तक कि बच्चों में भी हृदय रोग तेजी से बढ़ रहे हैं।

हृदय रोग और इसका खतरा

हाल के अध्ययनों के अनुसार, 20-30 साल की उम्र के युवाओं में हार्ट अटैक के मामले बढ़ रहे हैं। यानी, दिल की बीमारी उम्र से नहीं बल्कि आपके खानपान, आदतों और शरीर की स्थिति से जुड़ी होती है।

जामा जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार सात साल तक की उम्र में जिन बच्चों में उच्च रक्तचाप की समस्या होती है, उनमें 50 की उम्र तक जाते-जाते हार्ट अटैक-हार्ट फेलियर जैसी स्थितियों के कारण मृत्यु का खतरा अधिक हो सकता है। यानी हृदय स्वास्थ्य को लेकर कम उम्र से ही अलर्ट हो जाना जरूरी है।

हृदय रोगों से बचाव के लिए सही जानकारी होना सबसे जरूरी है। आइए हार्ट डिजीज को लेकर फैली कुछ अफवाहों के बारे में जानते हैं।

मिथ- मैं रोज एक्सरसाइज करता हूं, मुझे दिल की बीमारी नहीं होगी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हृदय को स्वस्थ रखने के लिए नियमित व्यायाम करना जरूरी है, लेकिन यह अकेला सुरक्षा कवच नहीं है। बहुत से फिट दिखने वाले लोग भी हार्ट अटैक का शिकार हो जाते हैं।

आनुवांशिक खतरे, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल, धूम्रपान या तनाव भी इस रोग को बढ़ाने वाली स्थितियां हैं। यानी, व्यायाम के साथ-साथ पौष्टिक डाइट, धूम्रपान से दूरी, स्ट्रेस कंट्रोल और नियमित चेकअप भी उतने ही जरूरी हैं।

मिथ- दिल की बीमारी सिर्फ पुरुषों को होती है

यह धारणा भी गलत है कि सिर्फ पुरुष ही हृदय रोगों का शिकार होते हैं। महिलाओं में भी हृदय रोग का खतरा उतना ही है जितना पुरुषों में। फर्क सिर्फ इतना है कि महिलाओं के लक्षण अक्सर अलग और छुपे हुए होते हैं।

जैसे पुरुषों में सीने में दर्द की समस्या अधिक देखी जाती है वहीं महिलाओं को थकान, चक्कर, मतली की दिक्कत अधिक होती है। शोध बताते हैं कि भारत में हर 5 में से 2 महिलाएं हृदय रोग से प्रभावित हो सकती हैं। इसलिए महिलाओं को भी नियमित जांच और सावधानी की जरूरत है।

मिथ- दिल की बीमारी का मतलब सीने में तेज दर्द होना

सीने में दर्द हार्ट अटैक का एक लक्षण है, लेकिन यही अकेला संकेत नहीं है। बहुत से लोग हार्ट अटैक के समय सिर्फ सांस फूलना, पसीना आना, चक्कर या जबड़े और पीठ में दर्द महसूस करते हैं। खासकर डायबिटीज के मरीजों में बिना दर्द के भी हार्ट अटैक हो सकता है। इसलिए हर असामान्य लक्षण को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

1 अक्टूबर से बदल जाएंगे ये 5 बड़े नियम, रसोई गैस से लेकर पेंशन तक... आपकी जेब पर होगा सीधा असर

सितंबर का महीना अब अपने अंतिम पड़ाव पर है और तीन दिन बाद अक्टूबर की शुरुआत के साथ ही कई महत्वपूर्ण वित्तीय नियम भी बदल जाएंगे। इन बदलावों का सीधा असर आम आदमी की जेब और घर के बजट पर पड़ना तय है। नए महीने में एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में संशोधन से लेकर पेंशन और ट्रेन टिकट बुकिंग से जुड़े नियमों में भी बदलाव लागू होने जा रहे हैं।

नेशनल

अक्टूबर महीने की शुरुआत के साथ ही देश में 7 बड़े बदलाव लागू होने जा रहे हैं, जिनका सीधा असर आम नागरिक की फाइनेंशियल प्लानिंग के साथ रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ेगा। ये बदलाव ऑनलाइन गेमिंग से लेकर रेल टिकट बुकिंग, UPI और पेंशन योजना तक के नियमों से जुड़े हुए हैं।

रेलवे टिकट बुकिंग के नियम सख्त

आईआरसीटीसी ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग में दलाली और दुरुपयोग रोकने के लिए एक बड़ा नियम लागू किया है। 1 अक्टूबर से जनरल रिजर्वेशन खुलने के शुरुआती 15 मिनट में केवल वे यात्री ही टिकट बुक कर पाएंगे, जिनका IRCTC अकाउंट आधार से वेरिफाइड है। यह नियम तत्काल टिकट बुकिंग की तर्ज पर लाया गया है, जिससे दलालों पर लगाम लगेगी और आम यात्रियों को टिकट मिलने में आसानी होगी।

पेंशन सिस्टम में बड़ा सुधार

पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) ने NPS में बड़ा बदलाव किया है, जिसे मल्टीपल स्कीम फ्रेमवर्क (MSF) नाम दिया गया है। अब गैर-सरकारी क्षेत्र के कर्मचारी, कॉर्पोरेट पेशेवर और गिग वर्कर्स एक ही पैन नंबर के जरिए NPS की कई स्कीमों में निवेश कर पाएंगे।इससे निवेशकों को जरूरत के हिसाब से निवेश चुनने की आजादी मिलेगा, जिससे रिटायरमेंट प्लानिंग मजबूत होगी।

UPI से जुड़ा बड़ा बदलाव

1 अक्टूबर से UPI का 'कलेक्ट रिक्वेस्ट' या 'पुल ट्रांज़ैक्शन' फीचर बंद हो रहा है। इसका मतलब है कि UPI ऐप्स पर किसी दोस्त या रिश्तेदार से सीधे पैसे मांगने का विकल्प नहीं मिलेगा। NPCI ने बताया है कि इससे ऑनलाइन धोखाधड़ी और फिशिंग के मामलों को रोका जा सकता है।

ऑनलाइन गेमिंग पर कड़ाई

सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए नया कानून लागू कर दिया है। नए कानून के तहत, गेमिंग कंपनियों पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े से बचाना है, जिससे इंडस्ट्री में पारदर्शिता बढ़ेगी।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों होंगी रिवाइज

हर महीने की तरह, तेल कंपनियां 1 अक्टूबर को घरेलू और व्यावसायिक LPG सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा करेंगी। वैश्विक बाजार की स्थितियों के आधार पर कीमतें बढ़ या घट सकती हैं। कीमतों में बदलाव का सीधा असर आम आदमी के रसोई बजट पर पड़ेगा।

रेपो रेट और लोन पर नजर

अक्टूबर की शुरुआत में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होगी। इस बैठक में रेपो रेट के साथ दूसरे वित्तीय फैसलों की घोषणा की जाएगी। अगर रेपो रेट में कटौती होती है, तो होम लोन और कार लोन की ब्याज दरें कम हो सकती हैं, जिससे आपकी मासिक EMI पर पॉजिटिव असर पड़ेगा।

पीएफ होल्डर्स के लिए नई सुविधाएं

पीएफ होल्डर्स के लिए अक्टूबर में कुछ नई डिजिटल सेवाएं और पेंशन में बढ़ोतरी पर चर्चा हो सकती है। न्यूनतम पेंशन को 1,000 से बढ़ाकर 1,500-2,500 रूपये तक करने पर चर्चा संभव है। साथ ही, EPFO अपनी नई डिजिटल सेवा EPFO 3.0 लॉन्च कर सकता है। इससे पीएफ से जुड़ी ऑनलाइन सेवाएं तेज होंगी और पेंशनभोगियों को लाभ मिल सकता है।

13 साल बाद स्पीड पोस्ट के शुल्क में बदलाव, मिलेंगी नई सुविधाएं, इस दिन से लागू होंगी नई दरें

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय डाक विभाग ने अपनी प्रतिष्ठित सेवा 'स्पीड पोस्ट' के शुल्क में बदलाव की घोषणा की है। 13 साल के लंबे अंतराल के बाद संशोधित की गई ये नई दरें 1 अक्टूबर 2025 से पूरे देश में लागू हो जाएँगी। किराए में बढ़ोतरी के साथ-साथ विभाग ने ग्राहकों का भरोसा जीतने और सेवा को आधुनिक बनाने के लिए कई नई सुविधाएँ भी जोड़ी हैं, जिनमें ह्न्जक्क आधारित डिलीवरी जैसी महत्वपूर्ण सेवा शामिल है।

डाक विभाग के अनुसार, आखिरी बार स्पीड पोस्ट की दरों में अक्टूबर 2012 में बदलाव किया गया था। तब से लेकर अब तक बढ़ी हुई परिचालन लागत और नई तकनीक में निवेश की आवश्यकता को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। 1 अगस्त 1986 को शुरू हुई स्पीड पोस्ट सेवा, इंडिया पोस्ट के आधुनिकीकरण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रही है और निजी कूरियर कंपनियों के लिए एक मजबूत प्रतियोगी बनी हुई है।

अब मिलेंगी ये नई और आधुनिक सुविधाएँ

ग्राहकों के अनुभव को बेहतर और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से डाक विभाग ने कई नई सेवाएँ शुरू की हैं। पार्सल की सुरक्षा को अभूतपूर्व स्तर पर ले जाते हुए अब 'रजिस्ट्रेशन सर्विस' और 'ह्न्जक्क आधारित डिलीवरी' जैसी सुविधाएँ दी गई हैं, जिनके लिए 5 रुपये + त्रस्ञ्ज का मामूली शुल्क लगेगा और यह सुनिश्चित होगा कि पार्सल केवल सही व्यक्ति तक ही पहुँचे।

इसके अलावा, विभाग ने छात्रों को किराए में 10त्न की विशेष छूट और नए बल्क ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए 5त्न की रियायत देने का भी ऐलान किया है। साथ ही, पूरी प्रक्रिया को आधुनिक बनाते हुए अब ग्राहकों को स्नूस् के जरिए डिलीवरी की सूचना, सुविधाजनक ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा और रियल-टाइम डिलीवरी अपडेट्स भी मिलेंगे, जिससे पूरी प्रक्रिया पहले से कहीं अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक हो जाएगी।

1 अक्टूबर 2025 से लागू होने वाली नई दरें इस प्रकार हैं:

इन बदलावों पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, अब तेजी भी और तसल्ली भी।₹ उन्होंने कहा कि इन कदमों का लक्ष्य इंडिया पोस्ट की स्पीड पोस्ट सेवा को और अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और तकनीक-आधारित बनाना है, ताकि यह ग्राहकों की उम्मीदों पर खरी उतर सके।

सरकारी बैंकों का मुनाफा बढ़ा, रिपोर्ट-15 वर्षों में पहली बार ऋण वृद्धि में निजी बैंकों से आगे निकले

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी बैंक (पीएसबी) मुनाफे के नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं। मोतीलाल ओसवाल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इन बैंकों का रिटर्न ऑन एसेट्स (ROA) एक प्रतिशत से अधिक हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर एसेट क्वालिटी और स्थिर क्रेडिट ग्रोथ ने इस उछाल में योगदान दिया है।

रिपोर्ट में बताया गया कि PSB सेक्टर का कुल मुनाफा रिकॉर्ड ₹1.5 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। इसके अलावा, कवर किए गए बैंकों की समग्र कमाई FY26 से FY28 तक 14 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है।

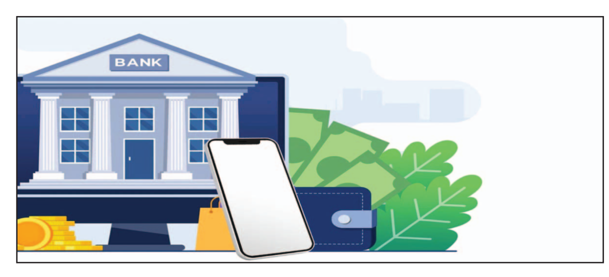

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि हालांकि निकट अवधि में एनआईएम पर दबाव रह सकता है, लेकिन फीस इनकम में वृद्धि, लागत अनुपात में धीरे-धीरे सुधार और स्वस्थ कवरेज स्तर (पीसीआर लगभग 79 प्रतिशत) RoA को 1.0-1.1 प्रतिशत के स्थिर स्तर पर बनाए रखने में मदद करेंगे।

15 वर्षों में पहली बार सार्वजनिक बैंकों ने निजी बैंकों को पीछे छोड़ा

मजबूत जमा फ्रेंचाइजी, रूढ़िवादी ऋण-जमा अनुपात और खुदरा, कृषि और एमएसएमई (आरएएम) क्षेत्रों में स्थिर वृद्धि ने भी सरकारी बैंकों की गति को सहारा दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 15 वर्षों में पहली बार, सार्वजनिक बैंकों ने वित्त वर्ष 2025 के दौरान ऋण वृद्धि में निजी बैंकों को पीछे छोड़ दिया। यहां निजी ऋणदाताओं की 10 प्रतिशत की तुलना में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

पीएसबी का बाजार पूंजीकरण लगभग पांच गुना बढ़ा

वित्त वर्ष 2020 से पीएसबी का बाजार पूंजीकरण लगभग पांच गुना बढ़ गया है, फिर भी वे उचित मूल्यांकन पर कारोबार करना जारी रखते हैं। वहीं सेक्टर आरओई 18 से 19 प्रतिशत और आरओए एक प्रतिशत पर स्थिर बना हुआ है।

इसने बताया कि हालिया बढ़त एकमुश्त नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरओए में एक प्रतिशत की रिकवरी कोई एक बार की घटना नहीं है, बल्कि सरकारी बैंकों के लिए घर वापसी जैसी है। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में मार्जिन में सुधार और परिसंपत्ति गुणवत्ता स्थिर रहने के साथ, वे आने वाले वर्षों में स्थिर रिटर्न देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

अमेरिका में 'शटडाउन' का बढ़ा खतरा, रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच टकराव, व्हाइट हाउस में होगी अहम बैठक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सरकार के शटडाउन का खतरा लगातार बढ़ रहा है। इसे रोकने के लिए डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। हालांकि, दोनों पक्ष अपने रवैये पर अड़े हुए हैं और अब तक किसी भी समझौते के संकेत नहीं दिख रहे हैं।

अगर मंगलवार रात तक अस्थायी फंडिंग बिल पारित नहीं हुआ, तो देशभर में कई सरकारी दफ्तर अस्थायी रूप से बंद हो जाएंगे। यानी जो कर्मचारी 'आवश्यक सेवा' में नहीं आते, उन्हें बिना वेतन पर छुट्टी पर भेज दिया जाएगा, जिससे आम लोगों और अर्थव्यवस्था दोनों पर असर पड़ेगा। इसे शटडाउन कहा जाता है। रिपब्लिकन पार्टी चाहती है कि सरकार की फंडिंग फिलहाल जैसी है, वैसी ही जारी रहे। लेकिन डेमोक्रेट्स स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कुछ अहम मांगे सरकार से मनवाना चाहते हैं। सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चक शूमर ने कहा, यह बैठक केवल एक शुरुआत है, लेकिन हमें गभीरता से बातचीत करने की जरूरत है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को बैठक के लिए सहमति दी है। इस बैठक में चक शूमर, सीनेट के नेता जॉन थ्यून, हाउस स्पीकर माइक जॉनसन और डेमोक्रेट नेता हकीम जेफ्रीज भी शामिल होंगे। हालांकि, ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि उन्हें उम्मीद है कि अगर समझौता नहीं हुआ तो इस हफ्ते शटडाउन तय है। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था, शटडाउन करना पड़े तो करेंगे। लेकिन शटडाउन कराने वाले वे (डेमोक्रेट्स) लोग हैं। ट्रंप प्रशासन डेमोक्रेट्स पर दबाव बना रहा है कि वे अपनी मांगे छोड़ें, क्योंकि अगर फंडिंग रुकती है तो कई सरकारी कर्मचारियों की स्थायी रूप से नौकरी जा सकती हैं।

रिपब्लिकन नेता थ्यून ने रविवार को कहा, चक शूमर ने कुछ महीने पहले ही कहा था कि अगर सरकार का शटडाउन होता है तो इससे बहुत समस्या होगी। सबकुछ अराजक हो जाएगा, नुकसान होगा और लोग परेशान होंगे। शूमर की बात सही थी। इसलिए हमें सरकार शटडाउन से बचाना चाहिए।

हालांकि, डेमोक्रेट्स का मानना है कि बैठक के लिए ट्रंप की सहमति दिखाती है कि उन पर बातचीत का दबाव है। उनका कहना है कि चूंकि व्हाइट हाउस और कांग्रेस दोनों रिपब्लिकन पार्टी के हाथ में हैं, इसलिए अगर सरकार का शटडाउन हुआ तो लोग ट्रंप और उनकी पार्टी को जिम्मेदार ठहराएंगे। लेकिन अपनी शर्तें मनवाने के लिए डेमोक्रेट्स को मंगलवार को उस अस्थायी फंडिंग बिल के खिलाफ वोट देना होगा, जिससे सरकार सात और हफ्तों तक चल सकती है। यह डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए असहज स्थिति है, क्योंकि वह हमेशा शटडाउन का विरोध करती रही है। यह बिल पहले ही रिपब्लिकन के नियंत्रण वाले हाउस में से पारित हो चुका है और इसे सीनेट में पारित करने के लिए कम से कम साठ वोट चाहिए। इसका मतलब हैकि कम से कम आठ डेमोक्रेटिक पार्टी के सासंदों को बिल का समर्थन करना होगा।

ईरान ने जासूसी के आरोप में व्यक्ति को दी फांसी, इस्राइल से संघर्ष के बाद सजा-ए-मौत के मामलों में आई तेजी

दुबई। ईरान ने सोमवार को कहा कि उसने इस्राइल के लिए जासूसी करने के आरोप में एक व्यक्ति को फांसी दी है। तेहरान में कई दशकों में सबसे ज्यादा लोगों को फांसी देने का काम जारी है। उसी कड़ी में यह ताजा मामला है। जिस व्यक्ति को सजा-ए-मौत दी गई है, उसकी पहचान बहमन चूबियासल के रूप में हुई है।

हालांकि, ईरानी मीडिया और मौत की सजा पर नजर रखने वाले कार्यकर्ताओं को इस मामले की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। इस व्यक्ति जासूसी के आरोप में ऐसे समय में फांसी दी गई है, जब इस साप्ताहांत पर संयुक्त राष्ट्र ने परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। ईरान का कहना है कि चूबियासल ने इस्राइल की जासूसी एजेंसी मोसाद के अधिकारियों से मुलाकात की थी। वहीं, ईरान की न्यायपालिका की सूचना एजेंसी 'मिजान' ने बताया कि चूबियासल संवेदनशील परियोजनाओं पर काम करता था और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात के मार्गों की जानकारी देता था।

इस साल जून में इस्राइल के साथ संघर्ष के बाद से ईरान ने जासूसी के आरोप में नौ लोगों को फांसी दी है। संघर्ष में इस्राइल ने हवाई हमले करके करीब 1,100 लोगों को मार डाला था, जिनमें कई सैन्य कमांडर भी शामिल थे। इसके जवाब में ईरान ने इस्राइल पर मिसाइल हमले किए थे।

सितंबर की शुरुआत में ईरान ने बाबक शाहबाजी नाम के व्यक्ति को भी फांसी दी थी। उस पर पर इस्राइल के लिए जासूसी करने का आरोप था। लेकिन मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इस आरोप को खारिज किया था और कहा था कि शाहबाजी को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को पत्र लिखने के बाद झूठे कबूलनामे के लिए प्रताड़ित किया गया था।

पिछले कुछ वर्षों में ईरान में आर्थिक तंगहाली, महिलाओं के लिए अधिकारों की मांग और देश की धार्मिक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन हुए हैं। इन विरोध प्रदर्शनों और जून के संघर्ष के जवाब में ईरान में 1988 के बाद मौत की सजा के मामलों में तेजी आई है। तब ईरान-इराक युद्ध के अंत में हजारों लोगों को फांसी दी गई थी।

'राजनीतिक संघर्ष के लिए तैयार हूं', पूर्व पीएम केपी शर्मा पीएम ओली ने देश छोड़ने की अटकलों को किया खारिज

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएलके प्रमुख केपी शर्मा ओली ने उन अटकलों को खारिज किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वह देश छोड़ने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने मौजूदा अंतरिम सरकार पर आरोप लगाया कि वह उनकी सुरक्षा और सरकारी सुविधाओं को छीनने की कोशिश कर रही है। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

ओली ने भक्त के गुंडु में पार्टी के संगठन 'युवा संघ नेपाल' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह देश छोड़ने वाले नहीं हैं और राजनीतिक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने समर्थकों से पूछा, क्या आपको लगता है कि हम यह देश इस आधारहीन सरकार को सौंपकर भाग जाएंगे? ओली ने कहा कि उनका लक्ष्य देश में शांति, सुशासन और सांविधानिक व्यवस्था की बहाली करना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ओली ने हाल ही में नौ सितंबर को प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास 'बलुवातार' खाली किया था। यह कदम तब उठाया गया, जब जेन जेड के विरोध प्रदर्शनों के कारण उनकी सरकार गिर गई। इसके बाद वह भक्तपुर के गुंडु में एक किराए के मकान पर रहने चले गए। प्रदर्शनकारियों ने उनका निजी आवास जला दिया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार जनता की इच्छा से नहीं, बल्कि तोड़फोड़ और आगजनी के जरिए सत्ता में आई है। उन्होंने सरकार को चुनौती दी कि अगर विरोध प्रदर्शन के दौरान उनकी ओर से सरकारी अधिकारियों को कोई निर्देश दिए गए हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए। ओली ने कहा, उन्हें हिम्मत से प्रकाशित करो।

नेतन्याहू और ट्रंप की मुलाकात आज, अमेरिकी राष्ट्रपति का ट्वीट- मध्य पूर्व में कुछ खास होने वाला है

वॉशिंगटन, एजेंसी। सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मुलाकात होनी है। यह मुलाकात व्हाइट हाउस में होगी। इस बैठक पर पूरी दुनिया की नजर है क्योंकि उम्मीद की जा रही है कि इस बैठक में गाजा में संघर्ष विराम को लेकर सहमति बन सकती है। खासकर ऐसे समय में जब इस्राइल पर अंतरराष्ट्रीय दबाव लगातार बढ़ रहा है और कई पश्चिमी देश फलस्तीन को मान्यता दे चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बैठक से पहले सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कहा कि मध्य पूर्व में कुछ खास होने वाला है। ट्रंप के इस पोस्ट के बाद उम्मीद की जा रही है कि गाजा में जल्द ही शांति आ सकती है।

ट्रंप का ट्वीट- मध्य पूर्व में कुछ खास होने वाला है

अमेरिका, गाजा युद्ध में इस्राइल का कट्टर समर्थक रहा है, लेकिन संघर्ष के लंबा खिंचने और गाजा में इस्राइली हमलों के खिलाफ बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव से अमेरिका भी असहज हुआ है। इस्राइल में नेतन्याहू की गठबंधन सरकार पर भी दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में सोमवार को ओवल ऑफिस में होने वाली ट्रंप और नेतन्याहू की बैठक बेहद अहम है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गाजा में संघर्ष विराम के लिए शांति समझौते पर गंभीरता से चर्चा चल रही है। रविवार को सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने लिखा कि 'मध्य पूर्व में महान बदलाव का हमारे पास असली मौका है। हम सभी पहली बार कुछ खास करने के लिए साथ आए हैं और हम इसे पूरा करके रहेंगे।'

ट्रंप प्रशासन द्वारा तैयार किए गए शांति प्रस्ताव में दिए गए हैं ये सुझाव

इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम के लिए ट्रंप प्रशासन ने एक समझौता प्रस्ताव तैयार किया है। हालांकि इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। इस समझौते में सभी बंधकों की 48 घंटे में रिहाई और गाजा से चरणबद्ध तरीके से इस्राइली सेना की वापसी जैसे प्रावधान हैं। ट्रंप प्रशासन ने इस समझौता प्रस्ताव को लेकर अरब देशों के प्रतिनिधियों से भी चर्चा की है। 21 बिंदु वाले इस प्रस्ताव में गाजा में हमास के शासन को खत्म करने और हमास का निशस्त्रीकरण करने की भी बात की गई है। गौरतलब है कि गाजा से फलस्तीनी नागरिकों को निकालने की बात इसमें नहीं है, जैसा कि पूर्व में ट्रंप ने प्रस्ताव दिया था। प्रस्ताव में गाजा में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती करने का भी सुझाव दिया गया है।

नेतन्याहू के लिए अग्निपरीक्षा का समय

ट्रंप और नेतन्याहू की ओवल ऑफिस में होने वाली बैठक इस्राइली पीएम के लिए अग्निपरीक्षा का समय है। इस्राइल की राजनीतिक की जानकार ईटन गिलबोआ का कहना है कि ट्रंप, नेतन्याहू पर संघर्ष विराम के लिए दबाव डाल सकते हैं, लेकिन अगर नेतन्याहू संघर्ष विराम के लिए राजी होते हैं तो उनकी अपनी गठबंधन सरकार खतरे में आ सकती है क्योंकि नेतन्याहू सरकार के कई सहयोगी लड़ाई जारी रखने और हमास के पूर्ण खात्मे की बात कर रहे हैं। ऐसे में अगर नेतन्याहू ने संघर्ष विराम पर सहमति दी को इससे उनकी सरकार के कई सहयोगी नाराज हो सकते हैं। इस्राइल द्वारा बीते दिनों कतर में हमास नेताओं के ठिकानों पर किए गए हमले के बाद पश्चिम एशिया के देश इस्राइल के खिलाफ लामबंद होने की कोशिश कर रहे हैं। इससे अमेरिका पर भी दबाव बढ़ा है। यही वजह है कि अमेरिका का धैर्य भी अब जवाब दे रहा है। बीते हफ्ते ही ट्रंप ने इस्राइल के वेस्ट बैंक पर भी कब्जा करने की मंशा को खारिज कर दिया था और कहा था कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इसका पुरजोर विरोध करेगा।

मीडिया मिशन था, है और रहेगा : प्रो. संजय द्विवेदी

» ब्रम्हकुमारीज द्वारा आयोजित विशेष संवाद सत्र में बोले आईआईएमसी के पूर्व महानिदेशक

आबू रोड। ब्रम्हकुमारीज मुख्यालय में चल रहे राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन में विशेष संवाद सत्र में भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रोफेसर संजय द्विवेदी ने कहा कि यह कहना ग़लत है कि मीडिया पहले मिशन था और अब प्रोफेशन है। टीवी पत्रकार बीके ज्योति से बातचीत करते हुए प्रोफेसर द्विवेदी ने कहा कि कोई भी समय किसी भी विधा के सिद्धांतों को नहीं बदल सकता। कुछ लोगों के विचलन से मूल्य आधारित पत्रकारिता का मार्ग बंद नहीं होता। यह मिशन थी, है और रहेगी।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा, शिक्षा, मीडिया जैसे सारे शास्त्र अंततः मिशन ही हैं। कुछ लोगों की बाजारु सोच से मूल्य और सिद्धांत नहीं बदलते। मूल्यनिष्ठा, संवेदनशीलता, जनहित और राष्ट्रीय हित इसकी कसौटी है।

प्रो.द्विवेदी का कहना था कि आजादी के आंदोलन के मूल्य ही भारतीय पत्रकारिता के मूल्य हैं, हमें वास्तविक स्वराज को लाने के लिए जतन करने होंगे। तभी भारतीय भाषाओं, वेशभूषा, स्वशासन और भारतीय पद्धतियों का सम्मान होगा। अभी हमारा देश तो स्वतंत्र है पर स्वराज अभी प्रतीक्षित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोक-मंगल ही किसी भी विधा की कसौटी है। इसी में इसकी सार्थकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ मिलने पर नौसेना की महिला अधिकारियों ने जताई खुशी, बताया गौरवपूर्ण पल

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 126वें एपिसोड में भारतीय नौसेना के अभियान 'नाविक सागर परिक्रमा' की खूब तारीफ की और इसे अंजाम देने वाली महिला नौसेना अधिकारियों की बहादुरी को सराहा। जिस पर नाविक सागर परिक्रमा अभियान को सफलतापूर्वक पूरा करने वाली लेफ्टिनेंट कमांडर डिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए ने पीएम मोदी की सराहना पर खुशी जाहिर की और इसे गौरवपूर्ण पल बताया।

नौसेना की जांबाज अधिकारियों ने कहा- ये उनके लिए गौरवपूर्ण पल

मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि 'भारतीय नौसेना की दो जांबाज महिला अधिकारियों ने नाविक सागर परिक्रमा अभियान के दौरान बहादुरी और समर्पण का परिचय दिया। मैं मन की बात के श्रोताओं को उनके बारे में बताना चाहता हूं कि वे हैं लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए और लेफ्टिनेंट कमांडर डिलना के।' पीएम मोदी से तारीफ मिलने पर लेफ्टिनेंट कमांडर डिलना के ने कहा कि 'यह उनके और उनकी साथी अधिकारी लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए के लिए गौरवपूर्ण पल है कि पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में उनकी उपलब्धि का जिक्र किया।'

उन्होंने कहा कि 'पीएम मोदी द्वारा उनकी तारीफ करना ये दर्शाता है कि देशवासी अपने देश का प्रतिनिधित्व करने वालों और भारतीय सशस्त्र बलों की कितनी कद्र करते हैं। हमें देश के हर कोने में जाने का मौका मिला और हमने अपने अनुभव साझा कर बताया कि अगर आप अपने शरीर, दिमाग और आत्मा के साथ कोई काम करते हैं तो कोई भी सपना असंभव नहीं है।'

देश का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात

लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए ने भी कहा कि 'पीएम मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में उनकी तारीफ किए जाने से वह बेहद गौरवान्वित महसूस कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में बड़े ध्यान से हमारी बात सुनी। जब हमें ये पता चला कि वे हमारे बारे में जानकार रोमांचित थे तो हमें बेहद खुशी हुई। दुनिया के सबसे अलग-थलग स्थानों पर अपने देश और भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व करके हमें बहुत खुशी मिली और हम इससे गौरवान्वित हैं।'

श्रद्धा कपूर करियर में पहली बार निभाएंगी इतना चुनौतीपूर्ण किरदार, छावा वाले लगा रहे बड़ा दांव

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर पिछली बर फिल्म स्त्री 2 में नजर आई थीं और उनकी इस फिल्म ने बाक्स आफिस पर एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाए थे। अब श्रद्धा बड़ी सूझ-बूझ से आगे बढ़ रही हैं और बड़े पर्दे पर फिर धमाल मचाने वाली हैं। दरअसल, श्रद्धा पर पैसे लगाने वाले हैं छावा बनाने वाले निर्माता दिनेश विजान, जिनकी फिल्म स्त्री 2 और स्त्री में पहले ही श्रद्धा अपन मौजूदगी से दिल जीत चुकी हैं।

रिपोट्र्स के मुताबिक, श्रद्धा इस फिल्म में महाराष्ट्र की एक मशहूर लावणी नृत्यांगना का किरदार निभाने वाली हैं। खास बात ये है कि इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ही कर रहे हैं, जिन्होंने छावा के निर्देशन की कमान संभाली थी और उनकी इस फिल्म ने बाक्स आफिस पर इतिहास रच दिया था। श्रद्धा महाराष्ट्र के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण किरदारों में से एक को निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार और उत्साहित हैं।

चर्चा है कि ये फिल्म एक मशहूर मराठी उपन्यास पर आधारित है। श्रद्धा ने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन कहा जा रहा है कि ये उनकी अब तक की सबसे चुनोतीपूर्ण भूमिका होगी, जो उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है। खुद श्रद्धा भी इसके लिए कमर कस चुकी हैं। छावाके बाद ये लक्ष्मण की दूसरी फिल्म है, जो मराठा संस्कृति का बड़े स्तर पर जश्न मनाती है।

इस फिल्म की शूटिंग नवबंर, 2025 में शुरू होगी और साल 2026 के अंत तक यह सिनेमाघरों में आएगी। फिल्म में न सिर्फ बालीवुड, बल्कि मराठी सिनेमा के भी कई नामचीन चेहरे देखने को मिलेंगे। श्रद्धा फिल्म में एक नृत्यांगना की भूमिका के साथ इंसाफ करने के लिए कई डांस वर्कशाप में शामिल होने वाली हैं। श्रद्धा की ये भले ही लक्ष्मण के साथ पहली फिल्म हो, लेकिन दिनेश विजान के साथ उनकी पहले से ही काफी अच्छी दोस्ती है।

श्रद्धा तुम्बाड के निर्देशक राही अनिल बर्वे की अगली फिल्म में नजर आएंगी, जिसकी निर्माता एकता कपूर हैं। ये एक अनोखी फिल्म है, जिसकी कहानी से श्रद्धा बेहद प्रभावित हैं। उधर निर्देशक मोहित सूरी से भी एक लव स्टोरी वाली फिल्म को लेकर श्रद्धा की बातचीत जारी है। खास बात ये है कि इसमें उनकी जोड़ी एक बार फिर आदित्य राय कपूर के साथ बन सकती है। इसके अलावा स्त्री 3 और नागिन जैसी फिल्में भी श्रद्धा के पास हैं।

बाक्स आफिस पर पहले ही दिन पवन कल्याण की फिल्म ओजीने तोड़े कई रिकाड्र्स, छावा से सैयारा समेत कई फिल्मों को भी दी मात

पवन कल्याण की नई फिल्म दे काल हिम ओजी 25 सितंबर को सिल्वर स्क्रीन पर धमाकेदार शुरुआत कर चुकी है। यह पवन कल्याण की इस साल हरि हर वीरा मल्लू के बाद दूसरी फिल्म है। वहीं, बालीवुड एक्टर इमरान हाशमी की यह तेलुगु सिनेमा में पहली फिल्म भी है। सुजीत की निर्देशित इस गैंगस्टर क्राइम एक्शन ड्रामा में इन दोनों की आन-स्क्रीन टक्कर खास है। इस फ्रेश जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया है। यहीं वजह है कि फिल्म ने ओपनिंग डे पर रिकार्ड तोड़ कमाई की है।

दे काल हिम ओजी की कहानी आपराधिक अंडरवर्ल्ड के भीतर सत्ता संघर्ष और बदले की कहानी कहती है। इसकी कहानी एक गैंगस्टर ओजस गंभीरा (पवन कल्याण) पर केंद्रित है। मुंबई से दस साल दूर रहने के बाद, वह एक और अपराधी ओमी भाऊ, जिसका किरदार इमरान हाशमी ने निभाया है, को उखाड़ फेंकने के इरादे से लौटता है।

यह फिल्म पवन कल्याण और इमरान हाशमी के बीच पहली बार सहयोग की एक फिल्म है। इस फिल्म में प्रियंका मोहन, अर्जुन दास, प्रकाश राज, राव रमेश, श्रीया रेड्डी और सुभलेखा सुधाकर जैसे बेहतरीन कलाकार हैं। वैश्विक बाक्स आफिस पर इसके प्रदर्शन को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं भारत में इसने रिकार्ड तोड़ कमाई की है।

मिली-जुली समीक्षाओं के बीच, ओजी ने बाक्स आफिस पर धमाकेदार शुरुआत की। सुजीत की निर्देशित यह फिल्म पहले ही इतिहास रच रही है। सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने भारत में अपनी शुरुआत में ही 90।25 करोड़ रुपये की कमाई कर ली।

इस जबरदस्त शुरुआत के साथ, पवन कल्याण की दे काल हिम ओजी ने 2025 की अन्य बड़ी फिल्मों, जैसे कूली (65 करोड़ रुपये), छावा (31 करोड़ रुपये), सैयारा (21।5 करोड़ रुपये), राम चरण की गेम चेंजर (51 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ दिया है।

इसके अलावा, ओजी ने पवन कल्याण की पिछली फिल्म हरि हर वीरा मल्लू को भी पीछे छोड़ दिया, जिसने घरेलू बाक्स आफिस पर पहले दिन 16 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसी के साथ दे काल हिम ओजी भारतीय सिनेमा में 2025 की सबसे बड़ी ओपनर फिल्म बन गई है।

अब, वर्ल्डवाइड बाक्स आफिस कलेक्शन की बात करें तो, ओजी ने शानदार शुरुआत की है। उत्तरी अमेरिका में अपने पहले ही पेड प्रीमियर से इसने 30 लाख डालर (26 करोड़ रुपये) कमाए हैं। यह शुरुआती सफलता बाक्स आफिस पर एक धमाकेदार ओपनिंग डे की नींव रखती है।

सैकनिल्क के मुताबिक, ओजी ने अपने पहले दिन भारत में 70 करोड़ रुपये नेट कमाई की, और 24 घंटों के भीतर भारत में 100 करोड़ रुपये और पहले ही दिन 154 करोड़ रुपये का ग्रास वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिय है।

दुनिया भर में 154 करोड़ की वर्ल्डवाइड ओपनिंग कर कमाल कर दिया है। फिल्म की सिर्फ प्री-सेल्स से ही लगभग 98 करोड़ रुपये की कमाई हुई।

विदेशों में, खासकर उत्तरी अमेरिका में, इस फिल्म ने अपने प्रीमियर शो से ही 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्म बनकर उभरी हैय और अमेरिकी बाजार में अब तक का चौथा सबसे बड़ा तेलुगु प्रीमियर डे हासिल करके नए मानक स्थापित किए।

दे काल हिम ओजी के आने वाले दिनों में बाक्स आफिस पर छाए रहने की उम्मीद है, जब तक कि इसे धनुष की इडली कढ़ाई और ऋषभ शेट्टी की कांताराः चैप्टर 1 से प्रतिस्पर्धा का सामना नहीं करना पड़ता।

थामा का ट्रेलर रिलीज, आयुष्मान खुराना बने सुपरहीरो ड्रैकुला घोस्ट, रश्मिका से लड़ाया इश्क, 21 अक्टूबर को रिलीज होगी फिल्म

बालीवुड फैंस तैयार हो जाइए, क्योंकि इस दिवाली, 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक थामा सिनेमाघरों में आने वाली है। फिल्म की रिलीज में अब एक महीने से भी कम समय बचा है, इसलिए जो दर्शक थामा के ट्रेलर रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। आखिरकार उनका यह इंतजार आज खत्म हो गया है। टीम ने थामा का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। दिनेश विजन और मैडाक फिल्म्स के साथ मुंबई के बांद्रा फोर्ट एम्फीथिएटर में थामा ट्रेलर लान्च इवेंट का आयोजन हुआ और यहां से फिल्म थामा का ट्रेलर रिलीज किया।

2।54 मिनट के थामा ट्रेलर की शुरुआत नवाजुद्दीन सिद्दी के धांसू डायलाग से होती हैं, जिसमें वह कहते है, आज से हम इंसानों का खून पिएंगे और अपनी टीम को बड़ा करेंगे और दुनिया पर राज करेंगे और मैं बनूंगा तुम्हारा थामा। इसके बाद कुछ डरावने विजुअल्स दिखाई देते हैं, इसके बाद आयुष्मान खुराना और नवाजुद्दीन का आमना-सामना होता है और अगले ही पल एक अंजान दुनिया से आई रश्मिका की एंट्री होती है और वह आयुष्मान से इश्क लड़ाती नजर आती है।

फिर आयुष्मान फिल्म भेड़िया में वरुण धवन की तरह अपना खुद को बदलता हुआ महसूस करते हैं। आयुष्मान के ड्रेकुल की तरह दांत निकल आते हैं और यह देख रश्मिका चौंक जाती है। इसके बाद रश्मिका, आयुष्मान की पीठ में खंजर घोंप देती हैं, लेकिन एक ही पल में आयुष्मान के घाव भर जाते हैं और इसके पता चलता है कि उनके अंदर के जादूई शक्ति ने प्रवेश कर लिया है। बता दें, फिल्म 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

स्त्री, मुंज्या, भेड़िया और स्त्री 2 जैसी हिट फिल्मों के बाद थामा मैडाक की हारर-कामेडी दुनिया में अगला प्रोजेक्ट है। पिशाचों पर केंद्रित इस फिल्म ने अपनी अनाउंसमेंट के बाद से ही फैंस को उत्साहित रखा है। यह मैडाक फिल्म्स की निर्मित और आदित्य सरपोतदार की निर्देशित फिल्म है।

थामा को एक खूनी प्रेम कहानी और रोमांटिक सबप्लाट वाली दुनिया की पहली फिल्म बताया जा रहा है। इसमें आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिकाओं में हैं। पंचायत के फैजल मलिक को एक अहम भूमिका के लिए चुना गया है, जबकि मलाइका अरोड़ा एक खास डांस नंबर में नजर आएंगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com